www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 183 || लखनऊ
रविवार
04 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
मौसम
सूर्योदयः 05:59
सूर्यास्तः 05:50
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 24°00



पेज 07

विशेष समाचार | उत्तर प्रदेश की बिसातः 'इंडिया'... >>पेज 04 | कंटेनर-डंपर में टक्कर के बाद... >>पेज 06 | दृश्यम 3 ने ओपनिंग डे पर...

पंजाब की मेकअप आर्टिस्ट को बीच सड़क मारी गोलियां ■ तीन महीने पहले हुआ था निहंग से विवाद

मैड संधू की गोली मारकर हत्या

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी



फेमस सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और मेकअप आर्टिस्ट मैड संधू की अमृतसर में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। गोली लगने के बाद वह काफी देर तक सड़क पर पड़े रहे। इसके बाद अस्पताल ले जाते समय उन्होंने दम तोड़ दिया।

- अमृतसर में हुई घटना, मैड संधू की मौत।
- हमले से पहले जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं।

अमृतसर। अमृतसर के लोहारका रोड पर शनिवार शाम करीब 6 बजे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और मेकअप आर्टिस्ट मैड संधू पर बाइक सवार दो अज्ञात हमलावरों ने फायरिंग कर दी। गंभीर रूप से घायल संधू को निजी अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है, जबकि हमलावरों की पहचान और हत्या का वास्तविक मकसद अभी सामने नहीं आया है।

अमृतसर में शनिवार शाम सोशल मीडिया की दुनिया से जुड़े एक चर्चित चेहरे की जिंदगी गोलियों की आवाज के साथ खत्म हो गई। लोहारका रोड पर करीब शाम 6 बजे मैड संधू पर मोटर-साइकिल सवार दो अज्ञात लोगों ने हमला किया। घटना के बाद वह सड़क पर गंभीर रूप से घायल मिले और आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार संधू को गंभीर हालत में निजी अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से दो खाली कारतूस बरामद किए हैं और हमलावरों की पहचान के लिए जांच टीम बनाई गई है।

यहां एक महत्वपूर्ण बात यह है कि सोशल मीडिया पर घटना के संबंध में अलग-अलग दावे और वीडियो तेजी से प्रसारित हो रहे हैं। कुछ रिपोर्टों में चार गोलियां चलने की बात कही गई है, जबकि पुलिस से जुड़ी रिपोर्टों में मौके से दो खाली कारतूस बरामद होने की जानकारी है। इसलिए फिलहाल गोलियों की निश्चित संख्या को पुलिस की अंतिम जांच से जोड़कर देखना ही उचित होगा।

मैड संधू का वास्तविक नाम मधुसूदन संधू बताया गया है। वह पंजाब की सोशल मीडिया दुनिया में मेकअप आर्टिस्ट, कंटेंट क्रिएटर और इन्फ्लुएंसर के रूप में पहचान बना चुके थे। >> (शेष पेज 06 पर)

हमलावरों की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस कमिश्नर हरमनबीर सिंह गिल ने बताया कि मामले में पुलिस को अहम और ठोस सुराग हाथ लगे हैं। आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तीन महीने पहले हुआ था विवाद

मैड संधू का करीब तीन महीने पहले निहंग जत्थेदार मनप्रीत सिंह खालसा के साथ विवाद हुआ था। उस समय निहंग पक्ष की ओर से मैड संधू की सोशल मीडिया गतिविधियों, पहनावे और पुरानी वीडियो को लेकर आपत्ति जताई गई थी।

विवादों से रहा है पुराना नाता

मैड संधू का नाम पहले भी विवादों में आ चुका है। तीन माह पूर्व निहंग जत्थेदार मनप्रीत सिंह खालसा के साथ उनका विवाद हुआ था। निहंग पक्ष ने संधू के पहनावे और सोशल मीडिया सामग्री पर आपत्ति जताते हुए इसे पंजाब की संस्कृति के खिलाफ बताया था और चेतावनी दी थी।

इसके अलावा, पंजाबी गायक के. एस. माखन के साथ भी लाइव शो व पॉडकास्ट के दौरान उनकी जीवनशैली को लेकर तकरार हुई थी, जिसके बाद सोशल मीडिया पर बयानबाजी का दौर चला था। घटना से कुछ घंटे पहले शनिवार शाम करीब पांच बजे संधू ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर आखिरी रील साझा की थी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं और रंजिश के कोणों से मामले की गहन जांच कर रही है।

वायुसेना को हर साल 36-40 फाइटर जेट चाहिए

तेजस : डिलीवरी में देरी हमारा नुकसान : एयर चीफ मार्शल

फाइटर जेट स्क्वॉड्रन की संख्या घटकर 29 हुई

वायुसेना दिवस हर साल 8 अक्टूबर को मनाया जाता है, 2026 में सेना 94वां दिवस होगा।

तमसा संकेत, एजेंसी



नई दिल्ली। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शनिवार को कहा कि तेजस लड़ाकू विमानों को शामिल करने में हो रही देरी से भारतीय वायुसेना को नुकसान हो रहा है। मौजूदा हालात में चुनौतियों से निपटने के लिए हवाई ताकत बहुत जरूरी होती जा रही है और वायुसेना के पास फाइटर जेट स्क्वाड्रन की संख्या कम हो रही है। एयर चीफ ने कहा कि वायुसेना को अगले कुछ साल हर साल कम से कम 36-40 फाइटर जेट चाहिए। उन्हें उम्मीद है कि तेजस मार्क-1A और फ्रांस से लिए जाने वाले राफेल जेट की आपूर्ति से स्थिति सुधरेगी।

- वायुसेना तेजस समेत कई फाइटर जेट को शामिल करना चाहती है, क्योंकि उसके फाइटर जेट स्क्वॉड्रन की संख्या घटकर 29 रह गई है। स्क्वॉड्रन की आधिकारिक मंजूर संख्या 42 है।

राफेल की पेंडिंग डील को फरवरी में मंजूरी मिली

एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि भारत मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट (MRFA) डील को इसी वित्त वर्ष में अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि योजना के मुताबिक काम हुआ, तो ऐसा संभव है।

फरवरी में भारत ने 114 राफेल फाइटर जेट खरीदने की लंबित योजना को मंजूरी दी थी। >> (शेष पेज 06 पर)

ऑपरेशन सिंदूर के बाद थिएटर कमांड पर नई चर्चा

प्रस्तावित थिएटराइजेशन योजना पर एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस पर नए नजरिए से विचार किया जा रहा है। मार्शल बोले- "मैंने साफ किया है कि भारतीय वायुसेना थिएटर कमांड के खिलाफ नहीं है। हम इसकी दिशा में काम कर रहे हैं और शुरुआत से ही चर्चाओं का हिस्सा रहे हैं।" >> (शेष पेज 06 पर)



फास्ट न्यूज

शुभेंदु बोले-ममता ने पांव में फ्रैक्चर का बहाना किया था

कोलकाता । पश्चिम बंगाल सरकार ममता बनर्जी की 2021 में लगी चोट की जांच करेगी। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को दावा किया कि इस चोट में फ्रैक्चर होने के सबूत नहीं मिले हैं।

जांच घटना

तिरुपति की फार्मा कंपनी में बॉयलर फटा, 5 की मौत

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में श्री सिटी की एक फार्मा कंपनी में बॉयलर फट गया। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 10 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। धमाकों के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस जांच कर रही है। धमाका इतना तेज था कि बिल्डिंग का हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया। सत्यवेडु मंडल में हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और इमरजेंसी सर्विस टीमें मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया।

मेघालय में बीमार बच्चा लेकर 3 घंटे पैदल चली मां

शिलांग। मेघालय के वेस्ट खासी हिल्स जिले के डोमकिरकोह गांव में शुक्रवार को एक बीमार बच्चे की उसकी मां की गोद में ही मौत हो गई। खराब सड़क के कारण कोई भी गाड़ी गांव में आने को तैयार नहीं थी। परिवार ने रातभर बच्चे को अस्पताल ले जाने के लिए गाड़ी का इंतजाम करने की कोशिश की।

राहुल गांधी ने 'सत्याग्रह' पहल शुरू की महात्मा गांधी ने भी यही तरीका अपनाया था, आज भी 8,500+ लेटर रिकॉर्ड में

'लोग अपनी समस्याएं भेजें'

अपील

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने देशभर में अन्याय और अपने हक के लिए लड़ रहे लोगों की आवाज को एक साथ जोड़ने के लिए सत्याग्रह नाम से एक पहल शुरू की है।

राहुल ने कहा कि जो भी लोग अन्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं, वे अपनी कहानी भेजें। मैं नेता विपक्ष के रूप में संसद से लेकर सड़क तक आपके साथ खड़ा हूं।

राहुल की इस पहल का नाम महात्मा गांधी के 'सत्याग्रह' से जुड़ा है। आजादी की लड़ाई के दौरान गांधीजी ने भी यही तरीका अपनाया था। गांधी हेरिटेज पोर्टल के मुताबिक, उस समय लोगों ने गांधीजी को जमीन, संपत्ति, जेल और अन्याय से जुड़े मामलों की जानकारी भेजी थी। गांधीजी को भेजे गए 8,500 से ज्यादा लेटर आज भी मौजूद हैं। हालांकि, वास्तविक संख्या ज्यादा हो सकती है। >> (शेष पेज 06 पर)



■ राहुल गांधी ने शनिवार को X पर वीडियो शेयर कर लोगों से सत्याग्रह पहल में जुड़ने की अपील की।



■ राहुल गांधी ने प्रदर्शनकारियों का वीडियो भी शेयर किया।

राहुल के 'सत्याग्रह' पर 713 लोगों की राय



राहुल बोले- अकेले लड़ने वालों की आवाज दब जाती है

राहुल गांधी ने X पर लिखा- देशभर में लोग अपने हक के लिए लड़ रहे हैं और अक्सर अकेले लड़ रहे हैं। जेन-जी, छात्र, किसान, आदिवासी, दलित, महिलाएं। हर संघर्ष की अपनी कहानी है। पर जो आवाज अकेली उठती है, वो अक्सर दब जाती है।

सत्याग्रह इन्हीं आवाजों को एक साथ लाने की पहल है। बापू ने यही सिखाया था - सच सबसे बड़ा हथियार है। पर उससे भी बड़ा हथियार है, एकता में सच के साथ खड़े होना। अगर आप भी किसी अन्याय से लड़ रहे हैं - अपनी कहानी भेजिए। दो मिनट लगेंगे।

जंतर-मंतर पर दूसरे दिन लेफ्ट का प्रदर्शन, एसआईआर का विरोध

ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगा, 10 अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी भी प्रदर्शन करेगी

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर के पास शनिवार को AISA और लेफ्ट संगठनों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर लगातार दूसरे दिन भी प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेडिंग की। करीब 150 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। वहीं, कल मुंबई में CJP ने भी SIR के विरोध में प्रदर्शन किया था। पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते हैं तो कॉकरोच जनता पार्टी 10 अक्टूबर से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेगी। >> (शेष पेज 06 पर)



पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प भी हुई। इससे पहले शुक्रवार को हुए प्रदर्शन के दौरान 1,000 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया था।



नेहा बोरा ने किया था प्रदर्शन जारी रखने का ऐलान

शुक्रवार शाम नेहा बोरा ने वीडियो संदेश जारी किया था। उन्होंने कहा था कि प्रदर्शन जारी रहेगा और कार्यकर्ता जंतर-मंतर लौटें। बोरा ने कहा था कि हिरासत में लिए जाने से प्रदर्शनकारी डरेंगे नहीं। उन्होंने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के समर्थन में लगातार जुटने की अपील की थी। प्रदर्शनकारी SIR प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

छात्रवृत्ति के लिए कट-ऑफ 50 प्रतिशत निर्धारित : नरेन्द्र कश्यप

'छात्रवृत्ति के लिए प्रतिक्षा की आवश्यकता नहीं'

कार्यक्रम

- छात्रवृत्ति में पिछड़ा वर्ग कल्याण के 223615 ओ.बी.सी.छात्र-छात्राएं भी सम्मिलित

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार की सुबह उत्तर प्रदेश के 4.60 लाख छात्र-छात्राओं के बैंक खाते में एक क्लिक से स्कॉलरशिप भेज दी। लखनऊ के लोक भवन सभागार में आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले स्कॉलरशिप न तो समय पर मिलती थी और न ही पूरी। भ्रष्टाचारी लोग छात्रों की स्कॉलरशिप डकार जाते थे। बाबू जब स्कॉलरशिप छात्र को देता था तो उसमें से अपना कमीशन काट लेता था। उन्होंने बताया कि पहले प्रदेश में सिर्फ 2900 करोड़ रुपए की धनराशि स्कॉलरशिप में जाती थी। आज हम लोग 6200 रुपए स्कॉलरशिप में मुहैया करा रहे हैं। यानी दोगुने से भी ज्यादा। सीएम योगी ने कहा कि आज एडमिशन लेने के बाद ही स्कॉलरशिप छात्रों को भेज दी जाती है। 2 अक्टूबर को बैंक बंद होने के नाते आज 3 अक्टूबर को स्कॉलरशिप ट्रांसफर की गई है। सीएम योगी ने संबंधित विभागों से कहा कि कोई भी बच्चा स्कॉलरशिप से वंचित न रहने पाए। सीएम योगी ने कहा कि पिछले साल संस्था की गलती, छात्र द्वारा देरी से आवेदन या किसी अन्य त्रुटि की वजह से यदि स्कॉलरशिप नहीं मिल पाई तो हम उसे भी स्कॉलरशिप मुहैया करा रहे हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

4.60
लाख स्टूडेंट्स को सीएम योगी नेएक क्लिक से भेजी स्कॉलरशिप, खातों में ट्रांसफर किए 148 करोड़

छात्रवृत्ति मार्च के अन्त में वितरित करने की परम्परा

नरेन्द्र कश्यप के बताया कि इस छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम में लगभग 04 लाख 60 हज़ार 559 छात्र-छात्राओं को 148 करोड़ रूपये की छात्रवृत्ति डी.बी.टी. के माध्यम से उपलब्ध करायी गयी, जिसमें पिछड़ा वर्ग कल्याण के लगभग 02 लाख 23 हज़ार 615 छात्र-छात्राएं भी सम्मिलित हैं। उन्होंने पिछली सरकारों का वर्णन करते हुऐ कहा कि छात्रवृत्ति मार्च के अन्त में वितरित करने की परम्परा रही है। छात्र-छात्राओं को पूरे वर्ष प्रतिक्षा करनी पड़ती थी। उन्होंने कहा कि इस परम्परा को समाप्त करने के लिए हम उन सभी सम्बन्धित अधिकारियों/कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हैं। >> (शेष पेज 06 पर)





'किसी भी छात्र की पढ़ाई पैसे के अभाव में बाधित नहीं हो'

सीएम योगी ने कहा कि सरकार चाहती है कि किसी भी छात्र की पढ़ाई पैसे के अभाव में बाधित नहीं हो। स्कॉलरशिप हर छात्र का संबल बनेगी। उन्होंने बताया कि सरकार सभी वर्गों के छात्रों को स्कॉलरशिप मुहैया करा रही है। यह केवल स्कॉलरशिप तक सीमित नहीं है। आपकी पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि आप यूपी के अंदर ऐसे समय में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं जब आपके सामने पहचान का संकट नहीं है। 2017 के पहले यूपी के युवाओं को यूपी के बाहर जाने पर लोग यूपी वाला कहकर किनारे कर देते थे।



वित्तीय वर्ष 2025-26 में 65.95 लाख+ छात्र-छात्राओं को 4793 करोड़+ की छात्रवृति/ शुल्क प्रतिपूर्ति डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए से ट्रांसफर की गई है।



■ हर संभव सहायता के लिए कृतसंकल्पितः नरेन्द्र कश्यप

व्हाट्सएप-इंस्टाग्राम पर हथियार तस्करी और बिक्री को लेकर बातचीत का आरोप

पाकिस्तानी आतंकी नेटवर्क से जुड़ा कर्नाटक का युवक गिरफ्तार

खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

बीदर । कर्नाटक के बीदर से आतंकी गतिविधियों के आरोप में युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार युवक विशाल कुमार मेट्रे (24) पाकिस्तान में मौजूद आतंकी शहजाद भट्टी,राणा हनैन और नोमी खान के संपर्क में था। पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर उसे गिरफ्तार किया है। विशाल बीदर के भालकी तालुका के येनकूर गांव का रहने वाला है। वह भट्टी से व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के जरिए संपर्क में था और अवैध हथियारों की तस्करी और बिक्री को लेकर बातचीत करता था। पुलिस ने शनिवार को बताया कि विशाल पाकिस्तान में मौजूद आतंकियों के अलावा उत्तर प्रदेश के मैनपुरी के आशु शर्मा और मध्य प्रदेश के खरगोन के राज भाई से भी जुड़ा था। >> (शेष पेज 06 पर)



फोन की जांच से नेटवर्क का खुलासा

पुलिस के अनुसार, इन लोगों का संबंध अवैध हथियारों की तस्करी और बिक्री से जुड़े नेटवर्क से है। विशाल के खिलाफ खटक चिंचोली पुलिस स्टेशन में UAPA और BNS की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान विशाल ने पहले आतंकी संगठनों और अवैध हथियार नेटवर्क से संबंध होने से इनकार किया। उसने अपना मोबाइल फोन देने से भी मना किया, लेकिन बाद में फोन सौंप दिया। >> (शेष पेज 06 पर)



विशाल दिसंबर 2025 से देश-विरोधी गतिविधियों में शामिल है। तब से ही जानकारी जुटाई जा रही थी। पुलिस ये भी पता लगा रही है कि उसने हथियारों या पैसों का लेनदेन किया या नहीं।

शिक्षा व्यवस्था पर अखिलेश का हमला, शिक्षकों से भेदभाव और पुलिस व्यवस्था को लेकर सरकार पर साधा निशाना

अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सोच पुरानी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री छात्रों और नौजवानों को मोबाइल, लैपटॉप और इंटरनेट से दूर रखना चाहते हैं।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि नई पीढ़ी के नौजवान नई सोच रखती है और विकास चाहती है। उन्होंने कहा कि छात्र और युवा सरकार की नीतियों का जवाब दे रहे हैं।



‘भाजपा सरकार में शिक्षा-परीक्षा ध्वस्त’

आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को लखनऊ स्थित सपा प्रदेश मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर भाजपा सरकार पर शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस और किसान समेत कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था प्रभावित हुई है तथा शिक्षकों के साथ भेदभाव किया गया है। शिक्षा और शिक्षामित्रों से जुड़े मुद्दों के साथ पुरानी पेंशन को सपा के घोषणा पत्र में शामिल करने की बात भी कही।

सपा अध्यक्ष ने शिक्षा के साथ स्वास्थ्य और पुलिस व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में



पुलिस को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। अखिलेश यादव ने फर्जी एनकाउंटर, पुलिस हिरासत में मौत, झूठे मुकदमे और लोगों को प्रताड़ित किए जाने जैसे आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हत्या, लूट और अन्याय की घटनाएं लगातार हो रही हैं। अखिलेश ने दावा किया कि सरकार के इशारे पर पुलिस अन्याय कर रही है और प्रदेश की पुलिस व्यवस्था प्रभावित हुई है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसान, नौजवान और व्यापारी संकट में हैं। किसानों को समय पर खाद, बीज और कीटनाशक नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान किसानों के हित में कई फैसले लिए गए थे।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में किसानों, नौजवानों, शिक्षकों, महिलाओं और अन्य वर्गों से जुड़े मुद्दों को सपा के घोषणा पत्र में शामिल किया जाएगा। अखिलेश ने यह

अस्पतालों की व्यवस्था पर भी उठाए सवाल

अखिलेश यादव ने स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कहा कि भाजपा सरकार में अस्पतालों को ही इलाज की जरूरत पड़ गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पतालों में मरीजों को पर्याप्त इलाज नहीं मिल रहा है और एंबुलेंस सेवाओं से लेकर अस्पतालों तक की व्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं।

> **प्रेस कांफ्रेंस में अखिलेश यादव ने सपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को बूथ स्तर पर तैयारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का पहला और आखिरी लक्ष्य मतदाता सूची को ठीक कराना होना चाहिए।**

सवाल भी उठाया कि जब बड़े पूंजीपतियों के

पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में पिछले दस वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा पेपर लीक हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने स्कूली शिक्षा को बर्बाद कर दिया है और शिक्षा विभाग में गिरोह बन गए हैं। शिक्षकों के साथ भेदभाव और शोषण किए जाने का भी उन्होंने दावा किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी वित्तविहीन शिक्षकों, शिक्षामित्रों की मांगों और पुरानी पेंशन से जुड़े मुद्दों को अपने घोषणा पत्र में शामिल करेगी। इससे पहले भी अखिलेश यादव शिक्षकों, शिक्षामित्रों और पुरानी पेंशन योजना को लेकर अपनी पार्टी की प्राथमिकताएं सामने रख चुके हैं।

कर्ज माफ हो सकते हैं तो किसानों को राहत क्यों नहीं दी जा सकती। अखिलेश यादव ने कहा कि पार्टी ने हर विधानसभा क्षेत्र में 27 हजार वोट बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। 27 हजार वोट बढ़ाने और भाजपा के कथित फर्जी वोट हटने की स्थिति में चुनावी नतीजों पर असर पड़ने का दावा उन्होंने किया।

फास्ट न्यूज

एम्बुलेंस ड्राइवरों ने डिप्टी सीएम का आवास घेरा

लखनऊ। लखनऊ में शनिवार को नौकरी की मांग को लेकर एम्बुलेंस ड्राइवरों ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। एम्बुलेंस ड्राइवरों का कहना है कि डिप्टी सीएम नौकरी देने का आश्वासन देते हैं, लेकिन अब उनसे मिलने पहुंचने पर पुलिस उन्हें खदेड़ रही है। ड्राइवरों के मुताबिक, पिछले पांच साल में वे 50 से अधिक बार ब्रजेश पाठक से मिल चुके हैं, लेकिन हर बार आश्वासन ही मिला।

लखनऊ का फैजुल्लागंज जलमग्न, 3 लाख लोग प्रभावित

लखनऊ। लखनऊ का फैजुल्लागंज इलाका पूरा जलमग्न हो गया है। बीते 8 दिन से हर तरफ गोमती नदी का पानी भरा हुआ है। दिन-ब-दिन पानी बढ़ता जा रहा है। इलाके के करीब 40 हजार से ज्यादा घरों में पानी भर गया है। 3 लाख लोग इस बाढ़ से प्रभावित हैं। करीब 10 हजार लोगों ने घर छोड़ दिए हैं। जिन्होंने घर नहीं छोड़ा है, उनके बच्चे और मवेशी सब भूखे हैं। गलियों के कुत्ते छत पर चढ़े हैं। अगर किसी के घर में कोई निधन होता है तो अर्थी ले जाने में मुसीबत हो रही है।

अलीगंज में चाकूबाजी, युवक लहूलुहान

लखनऊ । लखनऊ के अलीगंज में एक युवक को ताबड़तोड़ चाकू मारा गया है। वह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़ा। हमलावर शरीर पर कई जगह चाकू मारकर मौके से भाग गए। युवक की हालत गंभीर है, उसे होश नहीं आ रहा है। घटनास्थल से एक वीडियो आया है। घायल युवक को एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी होश में लाने की कोशिश कर रहा है।

पांचो तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 612 प्रकरण प्राप्त हुए

75 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर किया गया



तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । जनपद लखनऊ की पांचों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किये गये । सम्पूर्ण समाधान दिवसो में तहसील सदर में 78 में से 04 प्रकरण का निस्तारण प्रकरण, तहसील मलिहाबाद में 153 में से 11 प्रकरण का निस्तारण, तहसील बी0के0टी0 में 142 में से 27 प्रकरण का निस्तारण, तहसील मोहनलालगंज में 144 में से 27 प्रकरण का निस्तारण तथा तहसील सरोजनीनगर में 95 में से 06 प्रकरण का निस्तारण मौके पर किया गया। शेष प्रकरणों को समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बन्धित विभागों को प्रेषित किए गये।

आज जनपद में पुलिस 78, राजस्व एवम पुलिस संयुक्त 08, राजस्व 336, विकास 46, शिक्षा 05, स्वास्थ्य 03, समाज कल्याण 19, नगर निगम 06 तथा अन्य 111 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए है।

खाद्य कारोबारियों के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की विस्तृत गाइडलाइन

खाद्य प्रतिष्ठानों में अब लाइसेंस से लेकर तापमान रिकॉर्ड तक रखना होगा दुरुस्त

- **एफएसएसएआई लाइसेंस और फूड सेफ्टी डिस्प्ले बोर्ड लगाना अनिवार्य, शिकायत के लिए ‘फूड सेफ्टी कनेक्ट’ का क्यूआर कोड भी होगा प्रदर्शित**

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में उपभोक्ताओं को सुरक्षित, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, उत्तर प्रदेश ने सभी खाद्य कारोबारियों के लिए खाद्य सुरक्षा अनुपालन के महत्वपूर्ण चेक बिंदु जारी किए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि खाद्य प्रतिष्ठानों में लाइसेंस एवं पंजीकरण से लेकर अपने कारोबार की प्रकृति के अनुसार एफएसएसएआई



परिसर की स्वच्छता, खाद्य पदार्थों के भंडारण, तापमान नियंत्रण, उपकरणों की सफाई, कीट नियंत्रण, खाद्य अपशिष्ट के निस्तारण और अभिलेखों के रखरखाव तक निर्धारित मानकों का पालन अनिवार्य है। खाद्य कारोबारियों को लाइसेंस/पंजीकरण प्राप्त करना होगा तथा प्रतिष्ठान में उचित स्थान पर खाद्य लाइसेंस, पंजीकरण और खाद्य सुरक्षा प्रदर्शन बोर्ड प्रदर्शित करना होगा। उपभोक्ताओं की शिकायतों के लिए ‘फूड सेफ्टी कनेक्ट ऐप’ का क्यूआर कोड भी प्रमुख स्थान पर लगाया जाएगा। तापमान नियंत्रित खाद्य पदार्थों के परिवहन, भंडारण और प्राप्ति के दौरान निर्धारित तापमान बनाए रखना होगा। सभी रेफ्रिजरेटर एवं डीप फ्रीजर का तापमान प्रदर्शित करने के साथ उसका रिकॉर्ड रखना होगा। जमे हुए खाद्य पदार्थों को माइनस 18 डिग्री सेल्सियस तथा ठंडी अवस्था वाले खाद्य पदार्थों को 5 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान पर रखना होगा।

लाइसेंस से लेकर स्वच्छता, तापमान, पेस्ट कंट्रोल, खाद्य अपशिष्ट और रिकॉर्ड रखने तक सभी मानकों का अनुपालन जरूरी

स्वच्छ परिसर और सुरक्षित खाद्य तैयारी पर जोर

विभाग के निर्देशों के अनुसार खाद्य प्रतिष्ठान में पर्याप्त स्थान, वेंटिलेशन और प्रकाश की व्यवस्था होनी चाहिए। खिड़कियों एवं दरवाजों पर ऐसी जाली हो, जिससे कीटों का प्रवेश न हो। फर्श, दीवार, छत, वाश एरिया और खाद्य तैयारी क्षेत्र टूटी-फूटी अवस्था में नहीं होने चाहिए। किचन में जल निकासी की समुचित व्यवस्था हो तथा गंदे पानी का ठहराव न हो। दैनिक कार्यों में अच्छी निर्माण एवं अच्छी स्वच्छता प्रक्रियाओं का पालन और पर्याप्त ड्रेनेज, वेंटिलेशन तथा हाथ धोने की सुविधा सुनिश्चित करनी होगी। भोजन के संपर्क में आने वाले उपकरण एवं बर्तन जंगरोधी तथा आसानी से साफ होने योग्य हों। घर ले जाने और घर पहुंचाने वाली पैकेजिंग खाद्य-ग्रेड की हो तथा उस पर शाकाहारी/मांसाहारी चिह्न स्पष्ट हो। कच्चे माल की खरीद के समय गुणवत्ता, समाप्ति तिथि, क्षति, रिसाव एवं संदूषण की जांच तथा शाकाहारी और मांसाहारी कच्चे माल का अलग भंडारण जरूरी होगा।

साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर बना डिजिटल ढाल, टेक्नोलॉजी से ठगों का नेटवर्क ध्वस्त कर रही योगी सरकार

साइबर ठगों पर खाकी का ‘डिजिटल वज्रपात’

- **ठगी के बाद धनराशि को रोकने में राष्ट्रीय औसत से आगे निकला यूपी**
- **यूपी में धनराशि फ्रीज दर सितम्बर में बढ़कर 34% हो गई, जबकि राष्ट्रीय औसत 31%**
- **सीएम योगी के नेतृत्व में यूपी का साइबर डिफेंस हुआ मजबूत, 84 हजार साइबर अवेयरनेस ड्राइव से तोड़ी गई डिजिटल जालसाजों की रीढ़**

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। साइबर ठगी के खिलाफ उत्तर प्रदेश में पुलिस की कार्रवाई को तकनीक के जरिए मजबूत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में साइबर अपराध की रोकथाम के साथ ही ठगी के बाद धनराशि को रोकने और वापस कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सितंबर में साइबर फ्रॉड की रकम फ्रीज कराने की प्रदेश की दर 34 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत 31 प्रतिशत से अधिक है। साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर के माध्यम से रियल टाइम रूटिंग के जरिये डाइवर्ट की गई रकम को फ्रीज और रिकवर कराने की कार्रवाई की जा रही है। कई मामलों में तय समय सीमा के भीतर 100 प्रतिशत तक रिकवरी दर्ज की



डीजी साइबर क्राइम ने जवानों को अत्याधुनिक तकनीक से किया लैस

गई है। प्रदेश में साइबर अपराध से बचाव के लिए 84 हजार साइबर अवेयरनेस ड्राइव भी चलाए गए हैं। इन अभियानों के माध्यम से लोगों को फिशिंग, फर्जी वेबसाइट, डेटा चोरी, फर्जी अप्रूवल और साइबर ठगी के दूसरे तरीकों के प्रति जागरूक किया गया। सिनेमा हॉल से लेकर रेलवे स्टेशन तक विभिन्न स्थानों पर लोगों को डिजिटल लेनदेन में सावधानी बरतने और किसी भी डिजिटल प्लेटफॉर्म की प्रामाणिकता जांचने की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर डीजी साइबर क्राइम विनोद कुमार सिंह ने प्रदेश के पुलिस कर्मियों को अत्याधुनिक तकनीक से लैस किया है। इसके अलावा जवानों को साइबर अपराध से मुकाबले के लिए नई तकनीक की ट्रेनिंग भी दी जा रही है। एआई-डीपफेक, म्यूल अकाउंट और साइबर अपराध के बदलते तरीकों को देखते हुए पुलिस की तकनीकी क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

रियल टाइम ट्रैकिंग से रकम रोकने की कोशिश

साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर साइबर ठगी की रकम रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। शिकायत मिलते ही संबंधित बैंक के माध्यम से रकम को रोकने की कार्रवाई शुरू की जाती है। रियल टाइम रूटिंग और डेटा शेयरिंग के जरिये डाइवर्ट किए गए फंड को फ्रीज कराने और उसे वापस कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाती है। इससे ठगी के बाद रकम के तेजी से दूसरे खातों में जाने की चुनौती से निपटने में मदद मिलती है।

युवाओं के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर नशाखोरी के प्रभाव पर सेमिनार आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज, बरेली के भूगोल विभाग द्वारा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं व्यक्तित्व विकास के लिए संचालित पी.जी. फोरम गतिविधियों के अंतर्गत शनिवार को एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का विषय “युवाओं के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर नशाखोरी का प्रभाव” रहा।

कार्यक्रम में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर एवं तृतीय सेमेस्टर के लगभग 60 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। सभी प्रतिभागियों ने नशाखोरी जैसे गंभीर सामाजिक विषय पर अपने-अपने विचार, तर्क एवं सुझाव प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने नशे के कारण होने वाले मानसिक एवं शारीरिक दुष्प्रभावों के साथ-साथ परिवार, शिक्षा, सामाजिक जीवन और युवाओं के भविष्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर भी प्रकाश डाला।

> **कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आयोजन पी.जी. फोरम की निर्देशिका डॉ. नमिता यादव द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को सामाजिक एवं समसामयिक विषयों पर निरंतर विचार-विमर्श करने तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने के लिए प्रेरित किया।**





विद्यार्थियों ने अपने विचारों के माध्यम से यह संदेश दिया कि युवा शक्ति देश की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी है और नशे जैसी सामाजिक बुराई से युवाओं को बचाने के लिए जागरूकता, परिवार का सहयोग, सकारात्मक वातावरण तथा शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में विषय को लेकर विशेष उत्साह और जागरूकता देखने को मिली।

सेमिनार के निर्णायक मंडल में प्रोफेसर जसपाल सिंह, प्रभारी, पर्यावरण विज्ञान विभाग तथा डॉ. नाजिया खान, प्रभारी, भूगोल विभाग शामिल रहीं। निर्णायक मंडल द्वारा विद्यार्थियों के विचारों एवं प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन किया गया तथा उन्हें विषय की गंभीरता और सामाजिक महत्व के संदर्भ में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

काशी के नभ में गूंजेगा वायुसेना का शौर्य मॉकड्रिल कराने के निर्देश

योगी ने परखीं तैयारियां, सेक्टरवार तैनात होंगे मैजिस्ट्रेट व पुलिस बल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। देवाधिदेव महादेव की पावन नगरी काशी भारतीय वायुसेना के शौर्य, साहस और सामर्थ्य की साक्षी बनने जा रही है। गंगा की अविरल धारा के किनारे बसी काशी में जब आसमान भारतीय वायुसेना के विमानों की गर्जना से गूंजेगा, तो यह दृश्य देश के सामरिक सामर्थ्य और काशी की सनातन सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम प्रस्तुत करेगा। वाराणसी के नमो घाट पर आगामी 24 से 26 अक्टूबर तक प्रस्तावित भव्य एयर शो की तैयारियों की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उच्चस्तरीय समीक्षा की। 25 अक्टूबर को प्रस्तावित मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की गरिमामयी उपस्थिति संभावित है।



समीक्षा बैठक में भारतीय वायुसेना के अधिकारियों, वाराणसी जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष एयर शो की तैयारियों और संपूर्ण कार्ययोजना का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया। अधिकारियों ने आयोजन स्थल पर दर्शक दीर्घाओं, ग्रैंड स्टैंड, विशिष्ट एवं अतिविशिष्ट अतिथियों के लिए निर्धारित क्षेत्र, मीडिया एरीना, प्रवेश एवं निकास मार्ग, सुरक्षा जांच केंद्र तथा अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी दी। नमो घाट के साथ गंगा के तटवर्ती क्षेत्रों में संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों को जोन और सेक्टर में विभाजित कर व्यवस्थित प्रबंधन की कार्ययोजना से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस एयर शो को लेकर आम नागरिकों में भी उत्सुकता है और बड़ी संख्या में लोग भारतीय वायुसेना के प्रदर्शन को देखने के लिए पहुंच सकते हैं। इसे देखते हुए क्राउड मैनेजमेंट, सुगम यातायात, पार्किंग और जोनवार स्थल चिन्हांकन की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित की जाए। दर्शकों के आवागमन के मार्ग स्पष्ट और सुगम हों तथा प्रत्येक क्षेत्र में पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा, स्वच्छता और सुरक्षा से जुड़ी आवश्यक व्यवस्थाएं पर्याप्त रूप से उपलब्ध रहें।

तकनीक : योगी सरकार इमरजेंसी हेल्थकेयर को बना रही हाईटेक, गोल्डन ऑवर में मरीजों को मिलेगी शीघ्र मदद

सीएम योगी से मिली स्टार्टअप को नई दिशा

- **लखनऊ के स्टार्टअप हिंदकेयर मेडटेक की पहल, एम्बुलेंस से अस्पताल तक बेहतर समन्वय पर जोर**
- **स्मार्ट तकनीक से दुर्घटना की जानकारी समय पर देने और मरीज को उचित अस्पताल तक पहुंचाने का प्रयास**

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। गंभीर बीमारी, दुर्घटना या किसी अन्य मेडिकल इमरजेंसी में शुरुआती पहला घंटा मरीज की जिंदगी के लिए बेहद अहम होते हैं। ऐसे समय में सिर्फ इलाज ही नहीं, बल्कि घटना की जानकारी, एंबुलेंस



की उपलब्धता, अस्पताल तक सूचना पहुंचने और मरीज के लिए जरूरी मेडिकल तैयारियां समय पर होना भी महत्वपूर्ण है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए लखनऊ का हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी स्टार्टअप हिंदकेयर मेडटेक इमरजेंसी हेल्थकेयर को तकनीक से जोड़ने की दिशा में काम कर रहा है। स्टार्टअप की कोशिश ऐसी तकनीक विकसित करने की है, जिससे इमरजेंसी की स्थिति में मरीज, रिस्पॉन्स टीम, एंबुलेंस और अस्पताल के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सके। मिशन के सीईओ सुमित महाजन ने बताया कि स्टार्टअप की प्रमुख पहल लाइफडैश स्मार्ट क्रैश-डिटेक्शन और इमरजेंसी अलर्ट प्लेटफॉर्म है।

गोल्डन ऑवर पर केंद्रित है हिंदकेयर मेडटेक स्टार्टअप

यूपी स्टार्टअप मिशन के सीईओ सुमित महाजन ने बताया कि योगी सरकार की ओर से प्रदेश में स्टार्टअप और इनोवेशन के लिए संस्थागत व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 के तहत प्रदेश को देश के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। नीति में यू-हब जैसे डीप-टेक इनक्यूबेशन सेंटर, 20 नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, जिला स्तर पर इनक्यूबेशन के विस्तार और स्टार्टअप्स के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है। इसी के तहत मेडिकल क्षेत्र में काम कर रहे स्टार्टअप हिंदकेयर मेडटेक को लखनऊ स्थित एसजीपीजीआई के एसटीपीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में इनक्यूबेट किया गया है। स्टार्टअप की पूरी सोच इमरजेंसी के उस 'गोल्डन ऑवर' पर केंद्रित है, जिसमें समय पर पहचान, मरीज को अस्पताल तक पहुंचाना और तत्काल चिकित्सा उपलब्ध कराना बेहद महत्वपूर्ण होता है। स्टार्टअप का मूल विचार है कि सही मरीज को सही समय पर सही जानकारी के साथ सही अस्पताल तक पहुंचाया जाए।

सीएम योगी के सामने भी प्रस्तुत की तकनीक

स्टार्टअप के संस्थापक ने हाल ही में गोरखपुर में आयोजित एक स्टार्टअप/टेक्नोलॉजी कार्यक्रम में अपनी तकनीक और विजन को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने भी प्रस्तुत किया। स्टार्टअप की टीम ने इमरजेंसी हेल्थकेयर में तकनीक के इस्तेमाल और मरीज, एंबुलेंस तथा अस्पताल के बीच बेहतर कनेक्टिविटी की अपनी परिकल्पना साझा की। स्टार्टअप की टीम में डॉ. आयुष सिंह फाउंडर एवं डायरेक्टर के रूप में क्लीनिकल विजन और हेल्थकेयर रणनीति का नेतृत्व कर रहे हैं।

इंडियन ढाबे पर खाद्य विभाग की छापेमारी

छापेमारी

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और पैकेजिंग जांची ■ आटा-पनीर के नमूने जांच को भेजा

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में लखनऊ-कानपुर हाईवे स्थित इंडियन ढाबे पर शनिवार शाम खाद्य विभाग की टीम ने छापेमारी की। शाम करीब पांच बजे खाद्य विभाग की अधिकारी प्रियंका सिंह के नेतृत्व में पहुंची टीम ने ढाबे में रखे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, पैकेजिंग और उपयोग की अवधि की जांच की। इस दौरान कई खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।

जांच के दौरान एक्सपायरी आटा और खराब गुणवत्ता का पनीर मिलने की बात सामने आई है। हालांकि खाद्य पदार्थ निर्धारित मानकों के अनुरूप हैं या नहीं, इसकी अंतिम पुष्टि प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। विभागीय अधिकारियों के अनुसार रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय लोगों ने कहा कि यदि जांच में किसी प्रतिष्ठान पर खराब या एक्सपायरी खाद्य सामग्री की पुष्टि होती है तो कार्रवाई की जानकारी भी स्पष्ट रूप से सामने आनी चाहिए। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

इंडियन ढाबे से लिए गए नमूनों की प्रयोगशाला रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि खाद्य पदार्थ निर्धारित मानकों पर खरे उतरते हैं या नहीं। विभाग ने रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करने की बात कही है।





■ खाद्य विभाग ने छापेमारी कर पनीर के नमूना लिया।

- टीम ने ढाबे में रखे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, पैकेजिंग और उपयोग की अवधि की जांच की
- फिलहाल विभाग नमूनों की रिपोर्ट आने का इंतजार कर रहा है।

रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई

खाद्य विभाग ने बताया कि प्रयोगशाला रिपोर्ट में यदि नमूने निर्धारित मानकों के विपरीत पाए जाते हैं तो संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल विभाग नमूनों की रिपोर्ट आने का इंतजार कर रहा है।

पहले भी हो चुकी है हाईवे किनारे प्रतिष्ठानों की जांच

स्थानीय लोगों के अनुसार हाईवे किनारे संचालित ढाबों और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों पर खाद्य विभाग पहले भी जांच और नमूने लेने की कार्रवाई कर चुका है। जनता ढाबा समेत कई प्रतिष्ठानों पर टीम के पहुंचने की बात स्थानीय लोगों ने कही। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि छापेमारी के बाद कुछ प्रतिष्ठानों का संचालन जल्द ही दोबारा शुरू हो जाता है।

मांग : लेखपालों का धरना, तहसील दिवस का बहिष्कार

2800 ग्रेड पे और भत्ता बढ़ाने की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव लेखपाल संघ के आह्वान पर विभिन्न मांगों को लेकर लेखपालों का चरणबद्ध आंदोलन शनिवार को जारी रहा। पुरवा तहसील मुख्यालय पर लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष नंदलाल के नेतृत्व में लेखपालों ने धरना-प्रदर्शन किया। लेखपालों ने तहसील दिवस का बहिष्कार कर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाई।

शनिवार सुबह शुरू हुआ धरना दोपहर दो बजे तक चला। लेखपालों का कहना है कि उनकी मांगों पर लंबे समय से अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। इसी के चलते प्रदेश संगठन के आह्वान पर चरणबद्ध आंदोलन किया जा रहा है। लेखपालों ने शासन से वेतनमान में सुधार समेत आठ मांगों को पूरा करने की मांग की। लेखपाल संघ की प्रमुख मांगों में 2800 ग्रेड पे किए जाने की मांग शामिल है। लेखपालों के अनुसार वर्तमान में उन्हें 2000 ग्रेड पे मिल रहा है। उनका कहना है कि जिम्मेदारियों और कार्यभार के अनुरूप ग्रेड पे में वृद्धि की जानी चाहिए। लेखपालों ने स्तरीय भत्ते में सुधार की भी मांग उठाई। उनका कहना है कि पिछले करीब 16 वर्षों से इस भत्ते में कोई बदलाव नहीं किया गया है। लंबे समय से संशोधन नहीं होने के कारण कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है।



■ 2800 ग्रेड पे किए जाने की मांग

फास्ट न्यूज

जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़ बढ़ी

उन्नाव। उन्नाव मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का असर लोगों की सेहत पर दिखाई देने लगा है। शनिवार सुबह जिला अस्पताल की ओपीडी में एक हजार से अधिक मरीज उपचार के लिए पहुंचे। इनमें सबसे अधिक मरीज जुकाम, बुखार, खांसी और वायरल जैसे लक्षणों की शिकायत लेकर आए। इसके अलावा उल्टी और दस्त से पीड़ित मरीजों की संख्या भी बढ़ी रही। अचानक बढ़ी मरीजों की भीड़ के कारण ओपीडी में अपनी बारी के लिए लोगों को इंतजार करना पड़ा।

सभासदों का धरना पांचवें दिन भी जारी

उन्नाव। उन्नाव नगर पालिका परिषद के सभासदों का विभिन्न मांगों को लेकर चल रहा धरना शनिवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। विरोध के दौरान सभासदों ने पालिका अध्यक्ष श्वेता मिश्रा की प्रतीकात्मक आरती उतारकर अपना विरोध दर्ज कराया। सभासद पालिका की कार्यप्रणाली, विकास कार्यों में पारदर्शिता और जनसमस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं।

शनिवार दोपहर एसडीएम सदर राजेश विश्वकर्मा धरनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने सभासदों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और मांगपत्र लिया। एसडीएम ने संबंधित बिंदुओं पर नियमानुसार जांच और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

युवा कांग्रेस ने अनिल यादव की गिरफ्तारी पर सौंपा ज्ञापन

हरदोई। हरदोई में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव अनिल यादव और अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं की आगरा में हुई गिरफ्तारी के विरोध में हरदोई युवा कांग्रेस का आक्रोश फूट पड़ा। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर एवं उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव निर्भान सिंह यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नगर मजिस्ट्रेट के माध्यम से शनिवार की दोपहर 1:15 बजे राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

वीडियो बनाने पर बीडीओ और ग्रामीणों में विवाद

मोबाइल छीनने का दिया आदेश; अधिकारी ने आरोप को गलत बताया

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई । हरदोई में शनिवार दोपहर भरावन विकासखंड के बाढ़ प्रभावित गांवों में निरीक्षण के दौरान बीडीओ और ग्रामीणों के बीच विवाद हो गया। एक युवक अधिकारियों की बातचीत का वीडियो बना रहा था। आरोप है कि बीडीओ ने होमगार्ड से उसका मोबाइल छीनने को कहा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बीडीओ ने मोबाइल छीनने का आदेश देने से इनकार किया है।

जानकारी के अनुसार, बीडीओ अरविंद कुमार राजपूत भटपुर के कूड़ा, कटकाकला, तुलसीपुर और कटका खुर्द समेत कई गांवों में पहुंचे थे। यहां बाढ़ से प्रभावित रास्तों और ग्रामीणों की समस्याओं का सर्वे किया जा रहा था। अधिकारियों ने ग्रामीणों से समस्याएं जानकर उनके निस्तारण को लेकर बातचीत भी की। ग्रामीण शिवलाल मौर्य अधिकारियों के सामने चारे की समस्या रख रहे थे। इसी दौरान उनके पास मौजूद एक युवक पूरी बातचीत का वीडियो बनाने लगा। आरोप है कि वीडियो बनाते देखकर बीडीओ और उनके साथ मौजूद दरोगा ने युवक से वीडियो बनाने से मना किया। वीडियो बनाने का कारण भी पूछा गया।

वायरल वीडियो में व्यवस्था से जुड़े सवाल उठाए जाने के दौरान बीडीओ की ओर से होमगार्ड को मोबाइल छीनने का आदेश देते हुए सुनाई देने का दावा किया जा रहा है। मोबाइल छीनने की बात सामने आने के बाद ग्रामीणों ने नाराजगी जताई। लोगों ने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

बीडीओ अरविंद कुमार राजपूत ने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के निरीक्षण के दौरान ग्रामीण नाव की मांग कर रहे थे।

गंगा खतरे के निशान से 7 सेंटीमीटर ऊपर

खतरा

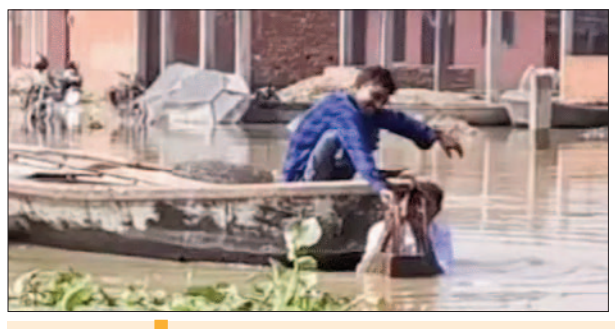
घरों में घुसा बाढ़ का पानी ■ गंगा बैराज पर भी असर दिखा

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। शनिवार सुबह गंगा का जलस्तर 113.07 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 113 मीटर से 7 सेंटीमीटर ऊपर है। गुरुवार शाम छह बजे जलस्तर 112.82 मीटर था, जो शुक्रवार सुबह 112.91 और शनिवार सुबह 113.07 मीटर पहुंच गया।

जलस्तर बढ़ने से गंगाघाट और आसपास के तटीय इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। कई कालोनियों में पानी घरों के अंदर तक पहुंच चुका है। प्रभावित परिवारों के सामने घर छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाने की चुनौती है, जबकि कई लोग घरों की छतों पर रहने को मजबूर हैं।

पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण नरोरा और हरिद्वार बांधों में पानी का दबाव बढ़ा है। इसके चलते वहां से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। इसका असर कानपुर स्थित गंगा बैराज पर भी पड़ा है। पानी का दबाव बढ़ने के कारण बैराज के सभी 30 गेट पिछले पांच दिनों से पूरी तरह खुले हैं। इससे उन्नाव की ओर गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।





गांवों में रास्ते डूबे, फसलों पर खतरा

बाढ़ का असर ग्रामीण क्षेत्रों में भी बढ़ रहा है। फतेखेड़ा, गगनीखेड़ा और लक्ष्मीखेड़ा में पानी पहुंचने से प्रमुख मार्गों पर आवागमन प्रभावित हुआ है। पीपरखेड़ा और गजियाखेड़ा में भी बाढ़ का पानी पहुंच गया है। खेतों में पानी भरने से किसानों की फसलों को नुकसान की आशंका बढ़ गई है।

गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार करने के बाद जिला प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। तहसील प्रशासन को सक्रिय करते हुए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों और बाढ़ केंद्रों पर लेखपालों की ड्यूटी लगाई गई है। लेखपाल जलस्तर और प्रभावित इलाकों की स्थिति की जानकारी लगातार प्रशासन को दे रहे हैं। जरूरत पड़ने पर प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही है।

मोहल्लों में घरों तक पहुंचा पानी

तेजीपुरवा, कर्बला, गोतखोर, सैय्यद कंपाउंड और मनसुख खेड़ा में बाढ़ का पानी घरों में घुस गया है। मालवीय नगर में भी पानी लगातार बढ़ रहा है। श्रीनगर में बड़ी संख्या में मकान बाढ़ की चपेट में हैं। यहां 18 फीट रोड पर पानी भरने से आवागमन प्रभावित हुआ है। लोगों को पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है।

मां को बचाने आग में कूदा बेटा, दोनों झुलसे

हरदोई में खाना बनाते समय गैस पाइप में लगी आग, मेडिकल कॉलेज रेफर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के हरियावां थाना क्षेत्र के कुरसेली गांव में शनिवार दोपहर करीब 1 बजे रसोई गैस के पाइप में आग लगने से महिला गंभीर रूप से झुलस गई। मां की चीख सुनकर मौके पर पहुंचे उसके 24 वर्षीय बेटे ने अपनी जान की परवाह किए बिना उसे आग से बाहर निकाला। इस दौरान बेटा भी झुलस गया। परिजनों ने दोनों को हरियावां सीएचसी पहुंचाया, जहां से गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

कुरसेली गांव निवासी राजकुमार गुटखा कंपनी में काम करते हैं। उनकी पत्नी शीला (48) शनिवार दोपहर घर के हॉल में बने किचन में खाना बना रही थीं। इसी दौरान गैस सिलेंडर के पाइप से गैस लीक होने के बाद अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में आग की लपटें तेज हो गईं और शीला उसकी चपेट में आकर झुलस गईं।

शीला ने मदद के लिए शोर मचाया तो उनका बेटा टिंकू पाल मौके पर पहुंच गया। टिंकू उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहा है। उसने आग के बीच पहुंचकर मां को बाहर निकाला। इस दौरान वह भी झुलस गया।

चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंच गए। लोगों ने पानी डालकर मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद दोनों घायलों को एंबुलेंस से हरियावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों की हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां दोनों का इलाज चल रहा है। घटना के बाद ग्रामीण टिंकू के मां को बचाने के प्रयास की चर्चा कर रहे हैं।





सूखेता नदी में जलकुंभी में फंसा मिला युवक का शव

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के बेहटा गोकुल थाना में रायपुर भदेवना गांव के बाहर से गुजर रही सूखेता नदी में शनिवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। नदी की पुलिया के पास घनी जलकुंभी के बीच फंसे शव को देखकर ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। भदेवना ग्राम प्रधान की सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकलवाया और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को सोशल मीडिया पर सूखेता नदी में एक शव बहते या फंसे होने का वीडियो तेजी से वायरल हुआ था। इसके बाद शनिवार सुबह करीब 10 बजे रायपुर भदेवना के ग्राम प्रधान ने पुलिस को सूचना दी कि गांव के बाहर नदी में पुलिया के पास जलकुंभी के बीच एक शव अटका हुआ है।

सूचना मिलते ही बेहटा गोकुल थाने के उपनिरीक्षक (एसआई) अरविंद सिंह अपनी पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे।

पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो शव नदी में उगी घनी जलकुंभी के बीच बुरी तरह फंसा हुआ था। स्थानीय पुलिस कर्मियों और ग्रामीणों की मदद से काफी प्रयास के बाद शव को नदी से बाहर निकाला गया। मृतक की उम्र लगभग 40 वर्ष के आसपास आंकी जा रही है। उसने काले रंग का लोअर और ग्रे रंग की टी-शर्ट पहन रखी थी।

शव की हालत देखने से आशंका जताई जा रही है कि वह पिछले एक-दो दिनों से पानी में बह रहा था। हालांकि, मौके पर मौजूद ग्रामीणों या आसपास के लोगों में से कोई भी मृतक की पहचान नहीं कर सका।

घटना : 7 करोड़ से 3 महीने पहले बना था ■ उद्घाटन से पहले ही जान बचाकर भागे यात्री

बछरावां रेलवे स्टेशन की फॉल सीलिंग भरभराकर गिरी

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली । रायबरेली के बछरावां रेलवे स्टेशन पर शनिवार को पोर्च में लगी फॉल सीलिंग अचानक गिर गई। बछरावां कस्बे के रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत योजना के तहत करीब 7 करोड़ रुपए की लागत से लगभग तीन माह पहले तैयार हुआ भवन अभी उद्घाटन का इंतजार कर रहा है।

शनिवार को टिकट विंडो के पास लगी फॉल सीलिंग का एक हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। घटना के समय वहां कई यात्री बैठे थे। गनीमत रही कि किसी यात्री को चोट नहीं आई।

स्टेशन पर हुए इस निर्माण कार्य का अभी तक उद्घाटन नहीं हुआ है और न ही उद्घाटन की कोई तारीख तय की गई है। इसी बीच फॉल सीलिंग गिरने की घटना से निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं।





■ यात्रियों ने बताया- साइकिल स्टैंड का गेट और प्लेटफॉर्म की टाइल्स भी उखड़ीं

दैनिक यात्रियों पंकज, राहुल, अभिषेक, शिवनंदन, मनोज कुमार, लव कुश और ओम प्रकाश ने बताया कि कुछ दिन पहले स्टेशन के साइकिल स्टैंड का गेट उखड़ गया था। इसके अलावा प्लेटफॉर्म नंबर एक पर लगी टाइल्स भी निकल गई थीं। यात्रियों ने स्टेशन के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए संबंधित खामियों को जल्द दुरुस्त कराने की मांग की है।

स्टेशन अधीक्षक मनोज कुमार बाजपेई ने बताया कि फॉल सीलिंग का एक हिस्सा गिरा है। उन्होंने बताया कि सीलिंग के ऊपर से बारिश का पानी टपक रहा था, जिसके कारण यह हिस्सा गिर गया। घटना की जानकारी लखनऊ मंडल के उच्च अधिकारियों को दे दी गई है।

हरदोई में एडीएम न्यायिक और एसडीएम सदर का ट्रांसफर

प्रफुल्ल त्रिपाठी को मुरादाबाद में एडीएम प्रशासन ■ मयंक कुंडू को एसडीएम की जिम्मेदारी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में उत्तर प्रदेश शासन ने प्रशासनिक फेरबदल करते हुए हरदोई में तैनात दो प्रशासनिक अधिकारियों का ट्रांसफर कर दिया है। शनिवार 3 अक्टूबर को दोपहर 1:30 बजे सामने आए आदेश में अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी और सदर उपजिलाधिकारी मयंक कुंडू का नाम शामिल है। दोनों अधिकारियों को मुरादाबाद जनपद में नई तैनाती दी गई है।

शासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार, हरदोई में अपर जिलाधिकारी न्यायिक के पद पर तैनात प्रफुल्ल त्रिपाठी को मुरादाबाद में अपर जिलाधिकारी प्रशासन बनाया गया है। वहीं, हरदोई सदर में उपजिलाधिकारी के पद पर जिम्मेदारी संभाल रहे मयंक कुंडू को मुरादाबाद में उपजिलाधिकारी के पद पर तैनाती दी गई है। इस तरह दोनों अधिकारियों को हरदोई से मुरादाबाद भेजा गया है





प्रफुल्ल त्रिपाठी हरदोई में अपर जिलाधिकारी न्यायिक के रूप में कार्यरत थे। उनके स्थानांतरण के बाद अब मुरादाबाद में उन्हें प्रशासनिक जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, एसडीएम सदर मयंक कुंडू को भी जिले से स्थानांतरित कर मुरादाबाद भेजा गया है। दोनों अधिकारियों की नई तैनाती शासन के प्रशासनिक फेरबदल का हिस्सा है।

हरदोई में दोनों अधिकारियों के स्थानांतरण के बाद अपर जिलाधिकारी न्यायिक और सदर उपजिलाधिकारी के पदों पर नई तैनाती को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, उपलब्ध आदेश में इन पदों पर हरदोई के लिए किसी नए अधिकारी की तैनाती का उल्लेख नहीं है। ऐसे में संबंधित पदों पर नई नियुक्ति के लिए शासन के अगले आदेश का इंतजार रहेगा।

सम्पादकीय

एसआईआर का बेजा विरोध



मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया में छूट गए मतदाताओं का पता लगाकर उनके नाम वोटर लिस्ट में शामिल करने के लिए विशेष अभियान की चुनाव आयोग की तैयारी के बाद भी विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ धरना-प्रदर्शन करने में जुटा है। समझना कठिन है कि इससे उसे क्या हासिल होगा, क्योंकि वह एसआईआर का भी विरोध कर रहा है। एसआईआर के विरोध का सीधा अर्थ है कि विपक्ष मतदाता सूचियों को सही करने के पक्ष नहीं। क्या यह विचित्र नहीं कि एक ओर वह मतदाता सूचियों में त्रुटियों की शिकायत भी कर रहा है और दूसरी ओर उन्हें दूर करने के लिए एसआईआर भी नहीं होने देना चाहता। उसके इस रवैये से तो यही लगता है कि उसका एक मात्र उद्देश्य चुनाव आयोग को बदनाम करना और उसकी विश्वसनीयता संदिग्ध बनाना है। संकीर्ण राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए अनर्गल आरोपों के सहारे किसी संवैधानिक संस्था की साख से खिलवाड़ करना एक तरह से लोकतंत्र को कमजोर करने वाला ही कृत्य है। लोकतंत्र अपनी संस्थाओं के जरिये सशक्त होता है। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि लोकतंत्र की दुहाई दे रहे विपक्षी दल एक तरह से उसकी जड़ों पर ही प्रहार करने का काम कर रहे हैं। इस सच से मुंह मोड़ने का कोई मतलब नहीं कि करीब दो दशक से मतदाता सूचियों को सही न किए जाने के चलते उसमें तमाम गड़बड़ियां घर कर गई हैं। इन्हें एसआईआर के जरिये ही दूर किया जा सकता है और इस प्रक्रिया का पालन करना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार है। इसे सुप्रीम कोर्ट ने भी बार-बार स्पष्ट किया है। इससे इनकार नहीं कि जहां लगभग 90 करोड़ मतदाता हों, वहां मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने की प्रक्रिया में कुछ गड़बड़ियां हो सकती हैं, लेकिन इसके आधार पर यह निष्कर्ष निकालना लोगों को गुमराह करना ही है कि चुनाव आयोग दल विशेष के पक्ष में काम कर रहा है। विपक्ष चुनाव आयोग पर ऐसे आरोप तो बढ़-चढ़कर लगा रहा है, लेकिन एसआईआर की प्रक्रिया में उसका सहयोग करने के लिए तैयार नहीं। इसी तरह वह एसआईआर कर रहे कर्मियों की गलतियों को तो तूल दे रहा है, लेकिन इसकी अनदेखी कर रहा है कि चुनाव आयोग उन्हें ठीक करने के भी कदम उठा रहा है और इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट भी उसे आवश्यक निर्देश दे रहा है। आखिर जिस प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट सही मान रहा है, उसे गलत ठहराने का क्या औचित्य? अब जब विपक्षी दल चुनाव आयोग को लांछित करने के अपने एकसूत्रीय कार्यक्रम में जुट गए हैं, तब आयोग को भी देखना होगा कि वह उनके दुष्प्रचार की काट कैसे करे? उसके सामने इसके अलावा और कोई उपाय नहीं कि वह अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए सक्रियता दिखाए।

पितरों को श्रद्धा से तृप्त करो, श्राद्ध से नहीं

संसार में हर व्यक्ति अपने जीवन में कल्याण की कामना करता है। वह अपने परिवारों जनों तथा समाज में एक अच्छी सन्तान होने का मेडल पहनना चाहता है। इस प्रसिद्धी को पाने का एकमात्र यही उपाय है कि अपने बुजुर्ग होते माता-पिता को श्रद्धापूर्वक अपने आचार-व्यवहार से प्रसन्न करना चाहिए। जहाँ तक हो सके, उनके जीवनकाल में ही उनकी सेवा कर ली जाए। उनके खान-पान का समुचित ध्यान रखा जाए। उनके स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरती जाए। उनके वस्त्रों के प्रति सजग रहा जाए। उनके साथ कुछ समय व्यतीत किया जाए ताकि वे अकेलेपन से घबरा न जाएँ। जो बच्चे ऐसा करते हैं उनका घर ही मन्दिर बन जाता है और वहाँ पत्थर की मूर्तियों का स्थान जीवित मूर्तियाँ यानी उनके माता-पिता ले लेते हैं। गुरु नानक देव जी के जीवन से जुड़ी एक घटना कहीं पढ़ी थी, उसे यहाँ उद्धृत करना चाहती हूं। एक बार गुरू नानक देव जी भ्रमण करते हुए शिष्यों सहित तीर्थराज हरिद्वार गए । वहां उन्होनें देखा कि हजारों भावुक अन्ध विश्वासी श्रद्धालु लोग गंगा में खड़े होकर मरे हुए माता-पिता आदि को पानी द्वारा तर्पण व पिण्ड दान कर रहे हैं। नानक देव जी ने सोचा कि इन भोले लोगों कैसे समझाया जाय, अतः वे भी गंगा की धारा में खड़े होकर पंजाब की तरह मुंह करके दोनों हाथों से गंगा का पानी फैंकने लगे। स्वयं से विपरीत दिशा में जल फैंकते देख लोगों को आश्चर्य हुआ तो उन्होनें नानक देव जी से पूछा महाराज! आप ये क्या कर रहे हैं? सरल स्वभाव गुरु नानक जी बोले, भाइयो, मैं अपने खेत को पानी दे रहा हूँ। यह सुनकर सब लोग हंसने लगे और गुरु नानक जी से कहने लगे, महाराज इस प्रकार आपके खेतों में पानी पहुंचना सम्भव है क्या?

-चन्द्र प्रभा सूद

> 66
> कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपनी सांगठनिक संरचना में बड़ा बदलाव करते हुए एक ब्राह्मण चेहरा (आराधना मिश्रा) को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है, जबकि इमरान मसूद के रूप में एक प्रभावी मुस्लिम चेहरा और राजेंद्र पाल गौतम के रूप में बड़े दलित चेहरे को कमान सौंपी है।

उत्तर प्रदेश की बिसातः 'इंडिया' के भीतर समाजवादी पार्टी का 'समीकरण' और गहराता संकट



२०२४ के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के भीतर 'इंडिया' गठबंधन ने एक अप्रत्याशित और ऐतिहासिक सफलता दर्ज की थी। राष्ट्रीय स्तर पर सत्तारूढ़ भाजपा को राज्य में करारी शिकस्त देकर समाजवादी पार्टी ३७ सीटों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभरी थी, जबकि कांग्रेस को भी ६ सीटें हासिल हुई थीं। चुनावी अंकगणित के इस चमत्कार ने विपक्षी कुनबे में नया उत्साह भरा था। लेकिन राजनीति का यह शाश्वत नियम है कि चुनावी विजय जितनी जल्दी पिछली असफलताओं को धुंधला करती है, उससे कहीं अधिक तेजी से भविष्य के अंतर्विरोधों को जन्म देती है। वर्तमान समय में, जब राज्य की निगाहें २०२७ के आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की ओर मुड़ चुकी हैं, समाजवादी पार्टी के लिए इंडिया गठबंधन के भीतर रणनीतिक, संगठनात्मक और वैचारिक चुनौतियां नए सिरे से सिर उठाने लगी हैं। गठबंधन की इस नाव को उत्तर प्रदेश के जटिल राजनीतिक समंदर में आगे बढ़ाना अखिलेश यादव के लिए फूल नहीं, बल्कि कांटों की सेज साबित हो रहा है। गठबंधन की राजनीति में सीटों का बंटवारा हमेशा से सबसे संवेदनशील और टकराव पैदा करने वाला बिंदु रहा है। २०२४ की चुनावी सफलता के बाद, कांग्रेस पार्टी के हौसले बुलंद हैं और वह उत्तर प्रदेश में अपनी खोई हुई ज़मीन को वापस पाने के लिए आतुर है। कांग्रेस ने सार्वजनिक मंचों से यह स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश की ४०३ विधानसभा सीटों में से कम से कम १५० सीटों पर दावा ठोकना चाहती है। कांग्रेस का तर्क है कि राहुल गांधी की जनसभाओं, भारत जोड़ो यात्राओं और दलित-पिछड़ा वर्ग में उनके बढ़ते आकर्षण के कारण पार्टी का जनाधार बढ़ा है। इसके विपरीत, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और उनके रणनीतिकारों का मानना है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के खिलाफ मुख्य लड़ाई समाजवादी पार्टी ही लड़ रही है। सपा सूत्रों के अनुसार, पार्टी २०२४ के लोकसभा चुनाव के विधानसभा वार आंकड़ों को आधार बना रही है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने जिन सीटों पर जीत दर्ज की या जहां वह दूसरे नंबर पर रही, उसके आधार पर सपा कांग्रेस को लगभग ५३ से ५५ सीटें देने का प्रस्ताव रख रही है। अखिलेश यादव ने पार्टी पदाधिकारियों की बैठक में स्वयं ३५० सीटों पर मुस्तैदी से तैयारी करने का निर्देश देकर कांग्रेस पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना दिया है। सपा सांसद एसपी सिंह पटेल का यह बयान कि 'कांग्रेस को १५० सीटें देना अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है', दोनों दलों के बीच जमीनी स्तर पर मौजूद अविश्वास की खाई को स्पष्ट रूप से उजागर करता है। वाराणसी के शिक्षक और स्नातक खंड विधान परिषद चुनावों में कांग्रेस द्वारा सपा उम्मीदवारों के खिलाफ अपने प्रत्याशी उतार देना, इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि शीर्ष स्तर पर भले ही एकजुटता के दावे किए जा रहे हों, लेकिन धरातल पर दरारें साफ दिखाई दे रही हैं। कांग्रेस का यह नया 'कॉकटेल' सपा के मूल वोट बैंक—विशेषकर अल्पसंख्यकों और दलितों—को अपनी ओर आकर्षित करने का प्रयास है। यदि मुस्लिम और दलित मतदाता समाजवादी पार्टी के बजाय सीधे राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के पाले में जाने लगे, तो सपा की क्षेत्रीय प्रधानता कमजोर होगी। राहुल गांधी द्वारा युवाओं, बेरोजगारों और वंचितों के मुद्दों को लगातार उठाए जाने से सपा के लिए यह संकट पैदा हो गया है कि वह उत्तर प्रदेश में विपक्षी राजनीति की 'अगुआ' बनी रहे या कांग्रेस के राष्ट्रीय नैरेटिव के पीछे चलने को मजबूर हो। गठबंधन सरकारों या चुनावी समझौतों का सबसे बड़ा दोष यह होता है कि इसके कारण ज़मीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटता है। जब समाजवादी पार्टी किसी सीट को गठबंधन के तहत कांग्रेस के लिए छोड़ती है, तो उस क्षेत्र में सालों से पसीना बहा रहे सपा के स्थानीय नेता और कार्यकर्ताओं का राजनीतिक भविष्य दांव पर लग जाता है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में सपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता दशकों से एक-दूसरे के खिलाफ चुनावी जंग लड़ते आए हैं। ऐसे में, अचानक उन्हें एक-दूसरे के लिए वोट मांगने के लिए राजी करना बेहद जटिल कार्य है। यदि कार्यकर्ताओं में यह संदेश गया कि पार्टी नेतृत्व उनकी अनदेखी कर रहा है, तो सांगठनिक शिथिलता आने का खतरा बढ़ जाता है। २०२४ के चुनाव में 'संविधान बचाने' का एक बड़ा भाव था, जिसने दोनों दलों के कार्यकर्ताओं को एक मंच पर ला दिया था। लेकिन विधानसभा चुनाव स्थानीय मुद्दों, विधायक की उपलब्धता और व्यक्तिगत समीकरणों पर लड़े जाते हैं। ऐसे में, क्या सपा का समर्पित कैडर उन सीटों पर पूरी ताकत लगाएगा जो कांग्रेस के कोटे में जाएंगी? यह सवाल अखिलेश यादव को लगातार परेशान कर रहा है। भारतीय राजनीति का इतिहास गवाह है कि गठबंधन केवल कागजों पर या नेताओं के हाथ मिलाने से सफल नहीं होते। २०१७ के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी 'यूपी के लड़कों' (अखिलेश और राहुल) ने हाथ मिलाया था, लेकिन परिणाम बेहद निराशाजनक रहे थे, क्योंकि सपा का वोट बैंक कांग्रेस उम्मीदवारों को तो ट्रांसफर हो गया, लेकिन कांग्रेस का पारंपरिक वोट बैंक सपा के पाले में नहीं आ पाया था।२०२७ के चुनाव में भी यह खतरा बरकरार है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी भले ही वर्तमान में हाशिए पर दिखाई दे रही हो, लेकिन मायावती का साइलेंट दलित वोट बैंक अभी भी किसी भी बड़े उलटफेर की क्षमता रखता है। यदि दलित और अति-पिछड़े मतदाताओं को लगा कि सपा-कांग्रेस गठबंधन में उनकी उचित हिस्सेदारी नहीं है, तो वे भाजपा या पुनः बसपा की ओर रुख कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम जैसे दल भी मुस्लिम बहुल सीटों पर सपा के समीकरण को बिगाड़ने की ताक में रहते हैं। हालांकि अखिलेश यादव ने एआईएमआईएम के साथ किसी भी गठबंधन से साफ इनकार कर दिया है, लेकिन त्रिकोणीय या चतुष्कोणीय मुकाबलों में वोटों का मामूली बिखराव भी सीधे तौर पर भाजपा को लाभ पहुंचा सकता है।

- अशोक भाटिया

नेपाल सरकार ने ...

कुमार कृष्णन

जनकपुर धाम : सरहदों से बड़ी संस्कृति



> विरासत बचाने का अर्थ केवल किसी इमारत को बचाना नहीं होता। इमारत के साथ उसकी स्मृतियां, आसपास का भू-दृश्य, रास्ते, जलस्रोत, लोकपरंपराएं और लोगों का जीवन भी बचाना होता है। जनकपुर की चुनौती इसलिए बड़ी है कि यहां जानकी मंदिर के साथ पूरा सांस्कृतिक परिदृश्य जुड़ा हुआ है।

सीमा रेखाएं देशों को बांटती हैं, संस्कृतियां नहीं। नक्शे पर खिंची एक रेखा भारत को नेपाल से अलग करती है लेकिन मिथिला की स्मृतियों में ऐसी कोई रेखा नहीं है। जनकपुर पहुंचते ही यह बात सबसे अधिक स्पष्ट होती है। यहां अयोध्या से आई राम की बारात की स्मृति है, सीता की जन्मभूमि मिथिला की कथा है और जनक की विद्वत् परंपरा की छाया है। इसलिए जनकपुर केवल नेपाल का एक धार्मिक नगर नहीं, भारत और नेपाल के बीच सदियों से चले आ रहे सांस्कृतिक संबंधों का जीवंत दस्तावेज है।

नेपाल सरकार ने अब जनकपुर-धाम के प्रसिद्ध जानकी मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र को संरक्षित स्मारक क्षेत्र घोषित किया है। संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने राजपत्र में इसकी सूचना प्रकाशित की है। मंत्रिपरिषद ने प्राचीन स्मारक संरक्षण ऐन, 2013 के तहत यह निर्णय लिया। सरकार का घोषित उद्देश्य जानकी मंदिर को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने की दिशा में आगे बढ़ना है। जानकी मंदिर पहले से ही यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल है। इसलिए संरक्षित स्मारक क्षेत्र की घोषणा को केवल प्रशासनिक फैसला मानना उसके व्यापक महत्व को कम करके देखना होगा। नेपाल सरकार ने संरक्षित स्मारक क्षेत्र की चारों दिशाओं की सीमाएं भी तय की हैं। पूर्व में भानु चौक, कदम चौक, जिला प्रशासन कार्यालय और मालपोत कार्यालय से होते हुए परिक्रमा पथ की सड़क, पश्चिम में भमरापुरा चौक, याज्ञवल्क्य संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, ज्ञानकूप और हनुमान मंदिर से जुड़ा क्षेत्र, उत्तर में राजा जनक स्मारक, मधेस प्रदेश भवन और मिल्स एरिया से भानु चौक तक का परिक्रमा पथ और दक्षिण में विद्यापति स्मारक से भमरापुरा चौक तक का क्षेत्र इसके दायरे में रखा गया है। यह सीमा-निर्धारण बताता है कि संरक्षण को मंदिर की दीवारों तक सीमित नहीं रखा गया है। यह जरूरी भी है। किसी तीर्थ की पहचान उसके गर्भगृह में ही नहीं होती। उसकी पहचान उस रास्ते में भी होती है जिस पर श्रद्धालु चलते हैं, उस तालाब में भी होती है जिसमें धार्मिक स्मृतियां प्रतिबिंबित होती हैं और उन लोकगीतों में भी होती है जिन्हें पीढ़ियां एक-दूसरे को सौंपती हैं। जनकपुर में मंदिरों के साथ तालाबों और कुंडों की एक लंबी परंपरा है। गंगासागर, धनुषसागर और रत्नसागर जैसे जलस्रोत यहां की धार्मिक और सांस्कृतिक स्मृति का हिस्सा हैं। अगर मंदिर सुरक्षित रहे और उसके आसपास का जल-संसार नष्ट हो जाए, तो संरक्षण अधूरा ही रहेगा। जानकी मंदिर की स्थापत्य भव्यता अपने आप में असाधारण है। उन्नीसवीं सदी के अंतिम वर्षों में टीकमगढ़ राजपरिवार की महारानी वृषभानु कुमारी ने इसके निर्माण का संकल्प लिया था। मंदिर को लोकप्रिय रूप से 'नौलखा मंदिर' कहा जाता है। निर्माण में बड़ी धनराशि लगी और कई वर्षों तक काम चलता रहा। नेपाल पर्यटन बोर्ड के अनुसार मंदिर का निर्माण 1910 में पूरा हुआ। मंदिर की वास्तुकला में राजपूत और अन्य स्थापत्य प्रभावों का समन्वय दिखाई देता है। उसकी भव्यता जनकपुर आने वाले किसी भी व्यक्ति को ठिठकने पर मजबूर करती है।

लेकिन जानकी मंदिर की असली भव्यता उसकी ऊंची दीवारों में नहीं, उससे जुड़ी स्मृति में है। सीता और राम की कथा ने इस नगर को भारतीय सांस्कृतिक चेतना में एक विशिष्ट स्थान दिया है। धार्मिक परंपरा में जनकपुर वह भूमि है जहां राजा जनक की पुत्री सीता का स्वयंवर हुआ और राम ने शिवधनुष तोड़ा। इसी स्मृति के साथ विवाह पंचमी का उत्सव आज भी जनकपुर को भारत और नेपाल के श्रद्धालुओं से भर देता है।

विवाह पंचमी में अयोध्या से राम बारात का जनकपुर पहुंचना महज धार्मिक रस्म नहीं है। यह एक ऐसी सांस्कृतिक यात्रा है जिसकी कोई अंतरराष्ट्रीय सीमा नहीं। दूल्हा अयोध्या का और दुल्हन मिथिला की—लेकिन दोनों की कथा किसी एक देश की संपत्ति नहीं। यही जनकपुर की सबसे बड़ी सांस्कृतिक शक्ति है।

सोनभद्र के श्रमिकों के लिए बन रहे हैं आधुनिक श्रमिक सुविधा केंद्र

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा असंगठित एवं निर्माण क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा, सम्मानजनक वातावरण और बुनियादी नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद सोनभद्र में दो अत्याधुनिक 'डॉ. भीमराव आंबेडकर श्रमिक सुविधा केंद्रों' की स्थापना की जा रही है। श्रम विभाग के अंतर्गत कार्यरत उत्तर प्रदेश भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत जनपद के ग्राम सुकृत तथा डाला बाजार में इन केंद्रों का निर्माण कराया जाएगा। प्रदेश सरकार की इस जनकल्याणकारी कार्ययोजना के क्रियान्वयन हेतु जिला प्रशासन द्वारा भूमि चिह्नांकन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। इसके तहत ग्राम सुकृत में 253 वर्ग मीटर तथा डाला बाजार के वार्ड संख्या चार में 200 वर्ग मीटर उपयुक्त भूमि का चयन किया गया है। दोनों केंद्रों के निर्माण हेतु 3 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि का विस्तृत आगणन किया गया है, जिसकी वित्तीय व प्रशासनिक स्वीकृति के उपरांत निर्माण कार्य युद्धस्तर पर प्रारंभ किया जाएगा। दशकों से कार्य की तलाश में सुबह-सवेरे मुख्य चौराहों और खुले स्थानों पर जमा होने वाले मजदूरों को भीषण गर्मी, शीत लहर, मूसलाधार बारिश और प्रदूषणकारी धूल का सामना करना पड़ता था। बैठने के समुचित स्थान और स्वच्छ पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित किए जा रहे ये सुविधा केंद्र श्रमिकों को मौसम के प्रकोप से सुरक्षित आश्रय प्रदान कर उनके जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार लाने का कार्य करेंगे। इन श्रमिक सुविधा केंद्रों को 'वन-स्टॉप समाधान केंद्र' के रूप में त्रि-स्तरीय (तीन मंजिला) मानक आधुनिक वास्तुशिल्प पर विकसित किया जा रहा है। भवन के भूतल पर एक विस्तृत, सुसज्जित एवं छायादार प्रतीक्षालय का निर्माण किया जाएगा, जहाँ श्रमिकों के बैठने हेतु आधुनिक बेंचों की व्यवस्था होगी। इसके साथ ही कामगारों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए उच्च क्षमता वाले आर.ओ. पेयजल संयंत्र तथा पुरुष एवं महिला श्रमिकों के लिए अलग-अलग आधुनिक स्वच्छता परिसरों (शौचालय व स्नानागार) का प्रावधान किया गया है।

भवन के प्रथम तल पर पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक पूर्णतः सुसज्जित सामुदायिक रसोई एवं रियायती कैंटीन का संचालन किया जाएगा। इस व्यवस्था के अंतर्गत कामगारों को 5 से 10 रुपये के सांकेतिक मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक नाश्ता और ताजा, स्वच्छ गर्म भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। यह पहल अल्प आय वर्ग के दिहाड़ी मजदूरों की दैनिक भोजन व्यय पर निर्भरता को कम करेगी तथा उनके स्वास्थ्य व कार्यक्षमता में संवर्धन सुनिश्चित करेगी। केंद्र के द्वितीय तल पर आधुनिक जन सेवा केंद्र (सीएससी) एवं डिजिटल हेल्प डेस्क की स्थापना की जाएगी। प्रायः सूचना एवं तकनीकी ज्ञान के अभाव में असंगठित क्षेत्र के मजदूर सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। इस केंद्र के माध्यम से श्रमिकों का बोर्ड के पोर्टल पर त्वरित ऑनलाइन पंजीकरण, नवीनीकरण एवं लेबर कार्ड जारी करने की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और निःशुल्क बनाया जाएगा, जिससे उन्हें किसी बिचौलिए पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को राज्य सरकार द्वारा संचालित संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना, मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना, कन्या विवाह सहायता योजना, मेधावी छात्र पुरस्कार योजना, गंभीर बीमारी सहायता, आपदा राहत तथा कौशल विकास एवं तकनीकी उन्नयन जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से मौके पर ही आच्छादित किया जाएगा।

जरा हटके

इस योजना का ...

अमरेश कुमार

मुख्यमंत्री हथकरघा बुनकर समृद्धि योजना से बुनकरों की संवर रही है किस्मत



उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान में हथकरघा उद्योग का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। वाराणसी की विश्व प्रसिद्ध बनारसी साड़ी, मऊ और आजमगढ़ का वस्त्र उद्योग, टांडा की लुंगी, भदोही का कालीन और लखनऊ की चिकनकारी ने प्रदेश को देश ही नहीं विदेशों में भी अलग पहचान दिलाई है। लेकिन पिछले कई वर्षों में महंगी बिजली, कच्चे माल की बढ़ती कीमत, आधुनिक तकनीक का अभाव और बिचौलियों के शोषण के कारण बुनकर समाज की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई थी और यह पारंपरिक कला धीरे-धीरे लुप्त होने की कगार पर पहुंच गई थी। इसी पृष्ठभूमि में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मुख्यमंत्री हथकरघा बुनकर समृद्धि योजना को एक प्रमुख योजना के रूप में शुरू किया है। इस योजना का प्राथमिक ध्येय केवल आर्थिक सहायता देना नहीं है, बल्कि बुनकरों को आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराना, उन्हें बिजली और वित्तीय समस्याओं से स्थायी राहत देना और उनकी उपज को सीधे बाजार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इस योजना के चार प्रमुख उद्देश्य निर्धारित किए गए हैं जो इसकी पूरी रूपरेखा को स्पष्ट करते हैं। पहला उद्देश्य परंपरागत कला का संरक्षण है। सरकार का ध्येय है कि सदियों पुरानी बुनाई कला केवल कपड़ा नहीं बल्कि हमारी विरासत है, इसे हर हाल में जीवित रखना है। दूसरा उद्देश्य आर्थिक स्वावलंबन है। अभी तक बुनकरों की मेहनत का बड़ा हिस्सा बिचौलिए ले जाते थे, बुनकर को उसकी लागत भी नहीं मिल पाती थी। इस योजना के माध्यम से बिचौलियों के हस्तक्षेप को पूरी तरह समाप्त कर बुनकरों की आय में सीधी वृद्धि सुनिश्चित की जा रही है। तीसरा उद्देश्य उत्पादन लागत में कमी लाना है। इसके लिए आधुनिक तकनीक, सौर ऊर्जा से चलने वाले करघे और रियायती दरों पर कच्चा माल उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि बुनकर को कम लागत में अधिक लाभ मिल सके। चौथा और सबसे दूरदर्शी उद्देश्य क्लस्टर विकास है। अकेला बुनकर वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकता, इसलिए सरकार बुनकरों के समूह बनाकर उन्हें एक कंपनी के रूप में विकसित कर रही है ताकि वे बड़े ऑर्डर ले सकें और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बन सकें। इस योजना के तहत बुनकरों को मिलने वाली सुविधाएं और सहायता इसे अन्य योजनाओं से अलग बनाती हैं। सबसे बड़ी सहायता सोलर लूम सब्सिडी के रूप में है। पारंपरिक और पावर लूम को सौर ऊर्जा से चलाने के लिए सरकार 80 प्रतिशत तक की भारी सब्सिडी प्रदान कर रही है। इससे बुनकर के सिर से हर महीने हजारों रुपये के बिजली बिल का बोझ पूरी तरह समाप्त हो जाता है और वह दिन के उजाले में मुफ्त बिजली से अपना करघा चला सकता है। दूसरी बड़ी सुविधा यार्न बैंक की स्थापना है। धागे की महंगाई और कालाबाजारी बुनकरों की सबसे बड़ी समस्या रही है। सरकार अब हर बुनकर बहुल क्षेत्र में यार्न बैंक स्थापित कर रही है जहां से बुनकरों को बाजार दर से 20 से 30 प्रतिशत कम कीमत पर सरकारी दर पर गुणवत्तापूर्ण धागा उपलब्ध हो रहा है। तीसरी सुविधा डिजिटल मार्केट और GeM पोर्टल से जुड़ाव है। अब बुनकर को अपनी बनाई साड़ी या कपड़ा बेचने के लिए किसी सेठ या व्यापारी के पास नहीं जाना पड़ेगा। सरकार उसके तैयार उत्पादों को सीधे । Amazon] Flipkart और भारत सरकार के GeM पोर्टल से जोड़ रही है। इससे बुनकर का उत्पाद बिना किसी बिचौलिए के सीधे ग्राहक तक पहुंचेगा और पूरा मुनाफा बुनकर के खाते में आएगा। चौथी सुविधा कम ब्याज पर वित्तीय सहायता है। नए करघे की स्थापना या अपने व्यापार के विस्तार के लिए बुनकरों को बिना किसी गारंटी के रियायती दरों पर बैंक ऋण और क्रेडिट कार्ड की सुविधा दी जा रही है। पांचवीं सुविधा प्रशिक्षण और आधुनिक डिजाइन से जुड़ी है। बाजार में आज वही डिजाइन बिकता है जो ट्रेंड में हो। इसलिए सरकार बुनकरों को बदलती बाजार मांग के अनुसार निःशुल्क कंप्यूटर आधारित डिजाइनिंग का आधुनिक प्रशिक्षण दे रही है ताकि वे लैपटॉप पर नए डिजाइन बना सकें और उसी के अनुसार बुनाई कर सकें।

इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्रता और दस्तावेजों की प्रक्रिया को बहुत सरल रखा गया है। पात्रता के लिए आवेदक का उत्तर प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है और उसका मुख्य पेशा हथकरघा या बुनाई कार्य होना चाहिए। व्यक्तिगत बुनकरों के साथ-साथ 25 या उससे अधिक बुनकरों के पंजीकृत समूह, फर्म, सहकारी समिति या प्रोड्यूसर कंपनी भी क्लस्टर योजना के तहत पात्र हैं। क्लस्टर को सरकार द्वारा अतिरिक्त सहायता भी प्रदान की जाती है। आवश्यक दस्तावेजों में आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, बुनकर पहचान पत्र, बैंक पासबुक की प्रति, पासपोर्ट साइज फोटो और आय प्रमाण पत्र शामिल हैं।

आवेदन प्रक्रिया के लिए सरकार ने तीन आसान विकल्प दिए हैं ताकि कोई भी पात्र बुनकर वंचित न रहे। पहला विकल्प ऑनलाइन आवेदन का है। राज्य के हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर घर बैठे फॉर्म भरा जा सकता है और दस्तावेज अपलोड किए जा सकते हैं। दूसरा विकल्प ऑफलाइन आवेदन का है, जिसमें अपने निकटतम जिला उद्योग केंद्र या जिला हथकरघा विभाग के कार्यालय में जाकर आवेदन पत्र जमा किया जा सकता है। तीसरा विकल्प विशेष शिविरों का है।

राजधानी में गोमती उफनाई, रिवर फ्रंट बंद

अलर्ट

1000 से ज्यादा घरों में घुसा पानी, उन्नाव-सीतापुर समेत 11 जिलों में बाढ़

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में बारिश बिल्कुल थम गई है, लेकिन नदियां उफान पर हैं। 11 जिलों में 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। लखनऊ में गोमती नदी उफान पर है, जिससे रिहायशी इलाकों के 1,000 से ज्यादा घरों में पानी घुस गया है। लोग घर छोड़कर पलायन करने को मजबूर हैं। गलियों में नावें चल रही हैं। पानी गोमती रिवर फ्रंट में भी घुस गया है, जिसे अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है।

दरअसल पीलीभीत, लखीमपुर खीरी और सीतापुर की ओर से गोमती नदी में पानी पहुंच रहा है। इसके अलावा बेहटा, श्रावण समेत कई छोटे-बड़े नालों का पानी भी गोमती में गिर रहा है। यही वजह है कि बारिश रुकने के बावजूद गोमती का जलस्तर बढ़ रहा है।



तस्वीरें लखनऊ की हैं। कॉलोनियों में पानी भर गया है। गलियों में नाव चल रही है। लोग घर छोड़कर जाने को मजबूर हैं।

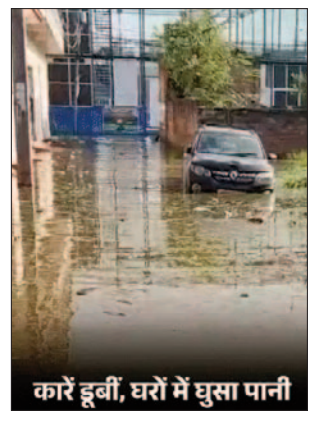
फतेहपुर में पांडु नदी के तेज बहाव में 12 लोगों से भरी नाव पलट गई। गनीमत रही कि ग्रामीणों ने लोगों को बचा लिया। लखीमपुर खीरी में बच्चों से भरी बोलेरो उफनते नाले में डूब गई। आसपास के लोगों ने बच्चों की जान बचाई। फर्रुखाबाद में पुल डूब गए हैं। सीतापुर में सरायन नदी खतरे के निशान से 1.62 मीटर ऊपर बह रही है। इधर, शनिवार सुबह से पूरे प्रदेश में मौसम साफ है। तेज धूप निकली है। मौसम विभाग (IMD) ने आज किसी भी जिले में बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया है। IMD के मुताबिक, प्रदेश में मानसूनी सीजन खत्म हो गया है। दक्षिण-पश्चिम मानसून का समय 1 जून से 30 सितंबर तक माना जाता है। इस दौरान औसत से 8% ज्यादा बारिश हुई है।

ऊपरी इलाकों में बारिश के कारण बैराज और जलाशयों में पानी बढ़ जाता है। ऐसे में अतिरिक्त पानी छोड़ा जाता है। यह पानी कुछ समय बाद यूपी की नदियों में पहुंचता है और जलस्तर बढ़ जाता है। इसका असर लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, अयोध्या, बाराबंकी और गोरखपुर जैसे मैदानी जिलों में देखने को मिल सकता है। इसी वजह से कई जगह बारिश थमने के बाद भी नदियां उफान पर बनी हुई हैं।

ऊपरी इलाकों में हुई बारिश का पानी नीचे आ रहा

नेपाल, उत्तराखंड और यूपी के ऊपरी जिलों में हुई तेज बारिश का पानी नदियों के जरिए मैदानी इलाकों में पहुंच रहा है। इसलिए यूपी में बारिश रुकने के बाद भी नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, बहराइच, श्रावस्ती, सीतापुर, गोंडा और बाराबंकी जैसे जिलों में इसका असर ज्यादा दिखाई दे रहा है। गोमती नदी में भी पीलीभीत, लखीमपुर खीरी और सीतापुर की तरफ से पानी पहुंच रहा है।

उन्नाव में सई नदी का पानी 12 से ज्यादा गांवों में घुस गया है, जिससे हजारों बीघे धान की फसल डूब गई है। गोंडा में घाघरा खतरे के निशान से 26 सेमी ऊपर बह रही है, जिससे 30 गांव टापू में तब्दील हो गए हैं और करीब 25 हजार की आबादी बाढ़ में फंसी हुई है।



गोरखपुर मुठभेड़ में पकड़े गए चाचा-भतीजा

आवारा पशुओं को काटकर बेचते थे बीफ

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर के गोला थाना क्षेत्र के मालहनपार रोड चीनी मिल के पास शनिवार भोर में 4:30 बजे बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। दो बाइक से चार वांछित बदमाश पुलिस को देखकर तमंचे से फायरिंग करने लगे। इस दौरान जवाबी कार्रवाई में एक बाइक पर सवार बदमाश के पैर में गोली लग गई। जबकि बाइक चला रहा दूसरा बदमाश वहीं गिरकर चोटिल हो गया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान दूसरी बाइक पर सवार दो बदमाश भाग निकले। जिनकी तलाश में पुलिस टीम लगी है। घायल बदमाश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पकड़े गए दोनों बदमाश चाचा-भतीजा हैं। जिनकी पहचान सिकरीगंज थाना के इमलीडीहखुर्द निवासी अब्दुल रहमान उर्फ राजू और उसका चाचा नूरूल हसन के रूप में हुई। अब्दुल रहमान के दाहिने पैर में गोली लगी है। गोला में शुक्रवार सुबह निरंकार आश्रम के पास खेत में गोवंशीय पशुओं के क्षत विक्षत अवशेष मिले थे।



इसके बाद ग्रामीणों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए गोला-कौड़ीराम मार्ग पर हंगामा किया था। सीडीआर की मदद से पुलिस बदमाशों की पहचान कर तलाश में लगी थी। पकड़े गए दोनों बदमाश एक कसाई की मदद से आवारा गोवंश का काटकर उनका बीफ बेचने का काम करते हैं। अन्य बदमाशों की तलाश में पुलिस टीम लगी है।

फास्ट न्यूज

बाराबंकी में मौरंग लदा डंपर पलटा

फतेहपुर। बाराबंकी के फतेहपुर में शनिवार दोपहर करीब 1:30 बजे एक मौरंग लदा डंपर पलट गया। यह हादसा टांडा निजाम अली के भूंड गांव के पास हुआ। डंपर के ऊपर मौरंग ठीक कर रहे पिता जमाल (48) और उनका बेटा नियाज मौरंग के नीचे दब गए।

जमाल और नियाज सड़क किनारे खड़े डंपर पर मौरंग ठीक कर रहे थे। चालक डंपर को सड़क किनारे करने की कोशिश कर रहा था।

जनेऊ दिखाकर अजय राय बोले- राहुल का साथ नहीं छोड़ूंगा

वाराणसी । यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष पद से हटाए गए अजय राय शनिवार को काफी भावुक दिखे। वाराणसी पहुंचे अजय राय ने जनेऊ दिखाते हुए कहा- ब्रह्म वचन है, मरते दम तक राहुल गांधी का साथ नहीं छोड़ूंगा। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का फैसला मुझे स्वीकार है। राजनीति में पद आते-जाते रहते हैं। इसके अलावा उन्होंने राहुल गांधी के साथ वाली अपनी तस्वीर को भी रुमाल से साफ किया। हालांकि अजय राय ने आराधना मिश्रा 'मोना' को नया प्रदेश अध्यक्ष बनने पर शुभकामनाएं दीं। कहा- आराधना मिश्रा कांग्रेस को आगे ले जाएंगी।

गोरखपुर में राप्ती का उफान बना मुसीबत

गोरखपुर । गोरखपुर में बाढ़ ने इस बार ऐसा रूप दिखाया है, जिसने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया है। राप्ती नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है और उसका उफान अब गांवों को निगलता हुआ नजर आ रहा है। बेहामपुर समेत दर्जनों गांव पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं।

हालात इतने खराब हैं कि गांवों का शहर से संपर्क पूरी तरह टूट गया है। घरों में घुसा पानी अब लोगों की जिंदगी को थाम चुका है।

बी-पैक्स कर्मचारियों ने वेतन की मांग उठाई

सात अक्तूबर को लखनऊ में जुटने का ऐलान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बी-पैक्स में कार्यरत कर्मचारियों ने राजकीय सहायता से वेतन दिलाने की मांग को लेकर शनिवार को विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडेय को ज्ञापन सौंपा। साधन समिति सचिव परिषद उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष वशिष्ठ कुमार शुक्ल और संरक्षक राकेश मिश्रा के नेतृत्व में कर्मचारियों ने अपनी मांगें रखीं। ज्ञापन की प्रतिलिपि प्रमुख सचिव सहकारिता, सहकारिता मंत्री और मुख्यमंत्री को भी भेजी गई है।

ज्ञापन में कैडर सचिव, नॉन कैडर सचिव, प्रभारी सचिव, आंकिक, लिपिक, विक्रेता, सहयोगी और चौकीदारों को वर्तमान वेतनमान के अनुसार वेतन देने की मांग की गई है। कर्मचारियों का कहना है कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि



और सहकारिता विभाग की योजनाओं और कार्यक्रमों का संचालन करते हैं। इसके बावजूद समय से वेतन नहीं मिलने से उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लंबित वेतन का भी उल्लेख किया गया है।

संगठन ने मांग पूरी नहीं होने की स्थिति में चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। इसके तहत 22 सितंबर को आयुक्त एवं निबंधक कार्यालय, लखनऊ में कर्मचारियों के जुटने की बात कही गई है।

संपूर्ण समाधान दिवस से दूर रहे लेखपाल तहसीलों में दिया धरना

अतिरिक्त हल्का कार्य के बहिष्कार के बाद अब आंदोलन तेज करने की चेतावनी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। लंबित मांगों के निस्तारण में देरी से नाराज लेखपालों का आंदोलन शनिवार को भी जारी रहा। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आह्वान पर जिलेभर के लेखपालों ने संपूर्ण समाधान दिवस का बहिष्कार किया। लेखपाल तहसील परिसरों में धरने पर बैठे और अपनी मांगों को लेकर विरोध जताया।

संघ पदाधिकारियों का कहना है कि कई मांगें लंबे समय से शासन स्तर पर लंबित हैं। बार-बार मांग उठाए जाने के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इसी के विरोध में लेखपालों ने 22 सितंबर से अतिरिक्त हल्का कार्य का बहिष्कार शुरू किया है। अब संपूर्ण समाधान दिवस से भी दूरी बनाकर विरोध दर्ज कराया गया। लेखपाल संघ की मांगों



में प्रारंभिक वेतनमान में सुधार के साथ 2800 ग्रेड पे की मांग प्रमुख है। संघ वेतन विसंगति का निराकरण कराने की भी मांग कर रहा है। इसके अलावा आठ वर्षों से लंबित अंतरमंडलीय स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी करने की मांग है। दो वर्षों से लंबित पदोन्नति सूची जारी करने का मुद्दा भी उठाया गया है। लेखपालों का कहना है कि 16 वर्षों से भत्तों में बढ़ोतरी नहीं हुई है। संघ ने भत्तों में वृद्धि की मांग भी रखी है। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान लेखपाल तहसील परिसरों में धरने पर बैठे रहे। इस दौरान मांगों के समर्थन में आवाज उठाई गई। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि मांगों के निस्तारण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन प्रभावी निर्णय नहीं होने से आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। लेखपालों ने कहा कि अतिरिक्त हल्का कार्य के बहिष्कार के बाद समाधान दिवस का बहिष्कार भी आंदोलन का हिस्सा है। मांगों पर निर्णय नहीं होने पर आगे आंदोलन को और व्यापक करने की चेतावनी दी गई है।

संघ ने कहा कि जब तक लंबित मांगों पर ठोस निर्णय नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा। पदाधिकारियों ने शासन-प्रशासन से मांगों पर जल्द निर्णय लेने की मांग की है।

नर्सिंग कॉलेज में नए बैच का स्वागत, फ्रेशर्स समारोह

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। एमआरए मेडिकल कॉलेज के कॉलेज ऑफ नर्सिंग में बीएससी नर्सिंग के 2026 बैच के विद्यार्थियों के स्वागत के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। यह बीएससी नर्सिंग का पांचवां बैच है। कार्यक्रम का आयोजन और संचालन 2025 बैच के वरिष्ठ विद्यार्थियों ने किया। कार्यक्रम में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। गीत, नृत्य और अन्य गतिविधियों के जरिए विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

मुख्य अतिथि मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मुकेश यादव ने नए विद्यार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने नर्सिंग शिक्षा में क्लिनिकल प्रैक्टिस के महत्व पर जानकारी दी। साथ ही नर्सिंग क्षेत्र में रोजगार और करियर के अवसरों के बारे में बताया।

कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्राचार्य डॉ. ई. भास्कर राज ने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम और शैक्षणिक अपेक्षाओं



एमआरए मेडिकल कॉलेज में बीएससी नर्सिंग के 2026 बैच के विद्यार्थियों का हुआ अभिनंदन, प्राचार्य ने क्लिनिकल प्रैक्टिस को बताया अहम

की जानकारी दी। उन्होंने अनुशासन, मेहनत और समर्पण के साथ पढ़ाई करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में डॉ. बृजेश कुमार, सीएमएस, डॉ. प्रमोद यादव, चीफ प्रॉक्टर, डॉ. मनोज कुमार गुप्ता, नोडल अधिकारी नर्सिंग कॉलेज, डॉ. बीरेंद्र यादव, विभागाध्यक्ष फिजियोलॉजी तथा डॉ. सुमित कुमार शर्मा, उप-प्राचार्य कॉलेज ऑफ नर्सिंग समेत शिक्षक मौजूद रहे।

सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष को मारा थप्पड़

प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुर्सी को लेकर भिड़े कार्यकर्ता, जमकर गाली-गलौज, मारपीट हुई

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में शनिवार को समाजवादी पार्टी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुर्सी पर बैठने को लेकर हंगामा हो गया। पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष नगीना साहनी और ग्रामीण विधानसभा सीट से दावेदारी कर रहे अंशुमान सिंह के समर्थक आपस में भिड़ गए।

दोनों पक्षों में पहले गाली-गलौज हुई। इसके बाद हाथापाई शुरू हो गई। इसी दौरान अंशुमान सिंह के बेटे कमलेश सिंह ने पूर्व जिलाध्यक्ष नगीना साहनी को थप्पड़ मार दिया। इस दौरान पदाधिकारियों समेत पूर्व जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

अंशुमान सिंह ने आरोप लगाया कि नगीना साहनी मेरी छवि खराब कराना चाहते हैं। जिस विधानसभा सीट से मैं 2027 के चुनाव में टिकट



पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को अलग किया। इसके बाद मामला शांत हुआ। मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है। घटना दोपहर 2:45 बजे जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब शास्त्री चौक के समागार में हुई।

की दावेदारी कर रहा, उसी सीट से नगीना साहनी भी दावेदारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी वजह से विवाद को राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। मेरी तरफ से गाली-गलौज नहीं की गई। अंशुमान ने नगीना

कुर्सी को लेकर शुरू हुई कहासुनी

सपा जिलाध्यक्ष बृजेश गौतम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर चल रहे कार्यक्रम को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। इसमें 2 से 8 अक्टूबर तक चलने वाले 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह' के कार्यक्रमों की जानकारी दी जा रही थी। इसी दौरान अंशुमान सिंह कुछ लोगों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे। अंशुमान ने बताया कि सभागार में ज्यादातर कुर्सियां भरी थीं और बीच में कुछ जगह खाली थी। मैंने कुर्सी मंगवाई और नगीना साहनी से थोड़ा खिसककर किनारे बैठने के लिए कहा। नगीना साहनी ने खिसकने से मना कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी और हाथापाई शुरू हो गई।

साहनी पर गाली-गलौज करने और पार्टी के प्रत्याशियों के खिलाफ बोलने का आरोप लगाया। 2027 के चुनाव को लेकर अंशुमान ने कहा कि यह सत्ता परिवर्तन का चुनाव होगा। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में बदलाव की लहर चल रही है और ऐसी घटनाओं का समाजवादी पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

सपा के पूर्व जिला अध्यक्ष नगीना साहनी ने आरोप लगाया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अंशुमान सिंह कुछ लोगों के साथ वहां पहुंचे। अंशुमान सिंह के साथ आए लोगों ने जबरन कुर्सी खाली कराने की कोशिश की। जब उन्हें खाली जगह पर बैठने के लिए कहा गया, तो वे लोग मारपीट करने लगे।

मंदिरों के आसपास मीट की दुकानों समेत छह मुद्दों पर बजरंग दल का धरना

एसपी को ज्ञापन सौंपकर बड़े आंदोलन की चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

सूरतगंज (बाराबंकी)। धार्मिक स्थलों के आसपास संचालित मीट की दुकानों और संगठन से जुड़े विभिन्न मामलों में कार्रवाई की मांग को लेकर शनिवार को बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने रामनगर नगर पंचायत स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास धरना-प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने पुलिस-प्रशासन से छह बिंदुओं पर तत्काल कार्रवाई की मांग उठाते हुए चेतावनी दी कि 48 घंटे के भीतर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो जिला स्तर पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। धरने के दौरान कार्यकर्ता सुबह से दोपहर करीब दो बजे तक धरने पर बैठे रहे। प्रदर्शन-कारियों की प्रमुख मांग पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपने की रही। बाद में पुलिस क्षेत्राधिकारी गरिमा पंत, नायब तहसीलदार सैयद तहजीब हैदर और थाना प्रभारी अरुण प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे। विहिप



मंदिर के आसपास मीट की दुकानों का मुद्दा प्रमुख
धमकी और अन्य मामलों में कार्रवाई की मांग

जिला संगठन मंत्री अखिल, जिला मंत्री राहुल कुमार और बजरंग दल जिला सहसंयोजक विनय वर्मा ने अधिकारियों को छह सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बजरंग दल ने आरोप लगाया कि रामनगर कस्बे में धार्मिक स्थलों और मंदिरों के आसपास मीट की दुकानें संचालित हो रही हैं। संगठन ने धार्मिक स्थलों के आसपास ऐसी दुकानों के संचालन की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई और उन्हें हटाने की मांग की।

ठगी : 1 महीने तक डिजिटल अरेस्ट रखा, सीबीआई अफसर बनकर कहा- पार्सल में मिला ड्रग्स

प्रयागराज में महिला डॉक्टर से 1.78 करोड़ की ठगी

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज के जार्जटाउन में साइबर ठगी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला डॉक्टर को साइबर ठगों ने करीब एक महीने तक डिजिटल अरेस्ट रखा। पहले कोरियर कंपनी का कर्मचारी बनकर फोन किया, फिर खुद को CBI अधिकारी बताकर कहा कि उनके नाम से आए पार्सल में ड्रग्स मिली है। गिरफ्तारी का डर दिखाकर आरोपियों ने महिला डॉक्टर से अलग-अलग बैंक खातों में करीब 1.78 करोड़ रुपये ट्रांसफर करा लिए। इतनी बड़ी रकम लेने के बाद भी ठगों ने और रुपये मांगना बंद नहीं किया। लगातार दबाव से परेशान होकर डॉक्टर साइबर क्राइम थाने पहुंचीं, जहां उनकी शिकायत पर FIR दर्ज की गई है। करीब एक



कोरियर कंपनी के नाम पर आया पहला फोन

साइबर पुलिस के मुताबिक, करीब एक महीने पहले महिला डॉक्टर के पास अनजान नंबर से कॉल आई थी। फोन करने वाले ने खुद को कोरियर कंपनी का कर्मचारी बताया और उनके नाम से पार्सल आने की बात कही। कुछ देर बाद दूसरे नंबर से फोन आया। इस बार कॉल करने वाले ने खुद को CBI अधिकारी बताया और पार्सल को लेकर गंभीर मामला होने की बात कही।

महीने तक आरोपी महिला डॉक्टर के संपर्क में रहे। इस दौरान उन्हें लगातार निर्देश दिए जाते रहे और किसी को घटना के बारे में बताने से रोका गया। बड़ी रकम मिलने के बाद भी ठगों ने और रुपये की मांग जारी रखी।

आखिरकार लगातार पैसों की मांग से परेशान होकर महिला डॉक्टर ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई।

साइबर थाना निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया कि महिला डॉक्टर की तहरीर पर FIR दर्ज कर ली गई है। पुलिस उन बैंक खातों की जानकारी जुटा रही है, जिनमें ठगी की रकम भेजी गई थी।

जांच के बहाने खातों में मंगवाए रुपये

साइबर अपराधियों ने कथित जांच के नाम पर महिला डॉक्टर से बैंकिंग और दूसरी जरूरी जानकारियां हासिल कीं। इसके बाद अलग-अलग बैंक खातों में रकम भेजने के लिए कहा। आरोप है कि इसी तरह उनसे करीब 1.78 करोड़ रुपये ट्रांसफर करा लिए गए।



गिरफ्तारी का डर दिखाकर किसी को बताने से रोका

आरोपियों ने महिला डॉक्टर को बताया कि उनके नाम से आए पार्सल में ड्रग्स मिली है। इसके बाद गिरफ्तारी की धमकी देकर उन्हें डराया गया। साथ ही हिदायत दी गई कि वह इस मामले की जानकारी किसी दूसरे व्यक्ति को न दें। ठगों ने जांच का हवाला देकर महिला डॉक्टर पर लगातार दबाव बनाया। उन्हें चेतावनी दी गई कि किसी से संपर्क करने पर उनके खिलाफ कार्रवाई हो सकती है।

शिविर का आयोजन किया, उमड़ी भीड़

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने और ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से शनिवार को सूरतगंज ब्लॉक परिसर में बहुउद्देशीय सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ सैकड़ों महिलाओं ने पहुंचकर सहभागिता की। विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉलों पर ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ आवश्यक सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं।

एमएलसी अंगद कुमार सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार की प्राथमिकता पात्र लाभार्थियों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। ऐसे शिविरों से ग्रामीणों को एक ही स्थान पर कई विभागों की योजनाओं और सेवाओं की जानकारी मिलती है। उन्होंने अधिकारियों से





शिविर में आने वाली समस्याओं को गंभीरता से सुनकर नियमानुसार समाधान कराने की बात कही। पूर्व विधायक शारद कुमार अवस्थी ने कहा कि जानकारी के अभाव में कोई पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने ग्रामीणों से अपनी पात्रता के अनुसार योजनाओं की जानकारी लेकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन करने की अपील की। शेखर हयारण ने कहा कि सरकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने ग्रामीणों से विभागीय स्टॉलों का लाभ उठाने और अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखने की अपील की। शिविर में महिलाओं की भागीदारी विशेष रही। महिलाओं ने स्वास्थ्य, पेंशन, राशन, किसान योजनाओं सहित अन्य विषयों पर जानकारी ली।

कार्यक्रम का शुभारंभ एमएलसी अंगद कुमार सिंह, पूर्व विधायक शारद कुमार अवस्थी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि शेखर हयारण, पूर्व ब्लॉक प्रमुख आशीष सिंह तथा मंडल अध्यक्ष सुशील कुमार वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद अतिथियों ने विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर ग्रामीणों से बातचीत की और उपलब्ध सेवाओं की जानकारी ली।

सीट से चिपके मिले शव, सिर्फ हड्डियां बचीं

कंटेनर-डंपर में टक्कर के बाद भीषण आग, 2 लोग जिंदा जले

पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, हादसा डंपर चालक को नींद की झपकी आने से हुआ। घायल सुमित ने बताया कि वह सीटू के साथ बाइक से सादाबाद मंडी गए थे। लौटते समय उनके आगे चल रहे डंपर ने अचानक ब्रेक लगा दिया। जिस वजह से बाइक डंपर से टकरा गई।

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर शनिवार सुबह कंटेनर और डंपर की भीषण टक्कर हो गई। हादसे के बाद दोनों गाड़ियों में भीषण आग लग गई। इसमें डंपर सवार 2 हेल्पर की जिंदा जलकर मौत हो गई। दोनों के शव सीट से चिपके मिले हैं। सिर्फ हड्डियां बची हैं।

वहीं, कंटेनर चालक और पास से गुजर रहे बाइक सवार गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 5:45 बजे हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि धमाके जैसी आवाज हुई और तेज धुआं उठने लगा। कुछ ही पलों में ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान हाईवे पर 5 किमी लंबा जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन से गाड़ियां हटवाकर हाईवे के किनारे करवाईं। मृतकों की पहचान धौलपुर जिले के निवासी आकाश (25) और रवि (24) के रूप में हुई है। हादसा जिला मुख्यालय से 36 किमी दूर खंदौली थाना क्षेत्र के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक, गिट्टी लदा डंपर धौलपुर से सादाबाद की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे फ्रोजन मटर लदे कंटेनर से उसकी टक्कर हो गई। डंपर के पीछे चल रहे बाइक सवार दो युवक भी हादसे की चपेट में आ गए। दोनों ने किसी तरह खुद को संभाला और बाइक समेत हाईवे किनारे पहुंच गए। टक्कर के बाद कंटेनर और डंपर में भीषण आग लग गई।



डंपर अचानक सामने आया, ब्रेक लगाने से पहले टक्कर हुई

फतेहाबाद के मुबारकपुर निवासी कंटेनर चालक शिवराम ने बताया- मैं चंदौसी से गुजरात जा रहा था। हाईवे पर अचानक डंपर सामने आ गया। मैंने ब्रेक लगाकर गाड़ी मोड़ने की कोशिश की, लेकिन डंपर साइड से कंटेनर में भिड़ गया और उसमें आग लग गई। देखते ही देखते कंटेनर का पिछला हिस्सा भी आग की चपेट में आ गया। इससे पहले पूरी कंटेनर में आग फैलती, मैं नीचे कूद गया। मेरे पैर और सिर में भी चोट आई है।



हादसे में डंपर और कंटेनर दोनों जलकर राख हो गए।

कंटेनर चालक शिवराम और डंपर चालक राजकुमार ने कूदकर जान बचाई। वहीं, डंपर में सवार दो हेल्पर आकाश और रवि अंदर फंस गए। दोनों की झुलसकर मौत हो गई। हादसे में बाइक सवार सुमित सिंह पुत्र प्रीतम सिंह और सीटू पुत्र दीवान सिंह, निवासी नगला जालिम, खंदौली घायल हुए हैं। दोनों का इलाज चल रहा है।

रामनगर- डंपर से भिड़ी स्कॉर्पियो, खिलाड़ी की मौत

पत्नी गंभीर 4 महीने पहले हुई शादी

तमसा संकेत, एजेंसी

काशीपुर । नैनीताल के रामनगर में स्कॉर्पियो और 22 टायरा डंपर की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में नेशनल बास्केटबॉल खिलाड़ी यतीश यादव (24) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी शीतल गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों की शादी 4 महीने पहले हुई थी और वे काशीपुर से रामनगर होते हुए नैनीताल घूमने जा रहे थे।

हादसा 2 अक्टूबर की रात करीब 1:20 बजे रामनगर के पीरूमदारा में हुआ। गाजियाबाद निवासी यतीश पत्नी शीतल के साथ स्कॉर्पियो से नैनीताल जा रहे थे। पीरूमदारा के पास सामने से आ रहे हरियाणा के फरीदाबाद के डंपर (HR 38 AC 4554) से उनकी स्कॉर्पियो की टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी तेज थी कि स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और यतीश ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल शीतल को रामनगर संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें दिल्ली-एनसीआर रेफर कर दिया गया।



4 महीने पहले हुई थी शादी, नैनीताल घूमने जा रहा था दंपती- उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद (शाहपुर बमेठा, थाना वेब सिटी) निवासी यतीश यादव (24) राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबॉल खिलाड़ी थे और एक निजी स्कूल में टीचर थे। उनकी पत्नी डॉ. शीतल यादव पेशे से डॉक्टर हैं।

फास्ट न्यूज

4 दिन से लापता एलएलबी छात्रा का शव मिला

कानपुर। कानपुर में 4 दिन से लापता एलएलबी सेकेंड ईयर की छात्रा रुचि पाल (23) का शव रेलवे ट्रैक किनारे झाड़ियों में मिला। पिता का कहना है कि लगातार पुलिस से उसकी तलाश कराने की गुहार लगाते रहे, लेकिन पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करने के बाद प्रभावी ढंग से तलाश नहीं की। खुद इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और रेलवे ट्रैक के आसपास तलाश शुरू की।

हिस्ट्रीशीटर ने कैफे संचालक को बीच सड़क पीटा

कानपुर । चमनगंज के रूपम चौराहे पर TET आवेदन फार्म में मात्रा गलत होने पर हिस्ट्रीशीटर ने अपने गुर्गों के साथ मिलकर कैफे में धावा बोल जमकर मारपीट की। इतना ही नहीं बीच सड़क मारपीट की सूचना पर मौके पर पहुंचे दरोगा के सामने भी दोनों पक्षों में लात-घूंसे चलते रहे। घटना से जुड़े चार वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहे है, जिसमें दौड़ा-दौड़ाकर मारपीट के अलावा सरे बाजार गुंडई होती नजर आ रही है। चमनगंज निवासी अबुजर का रूपम चौराहे पर एबी नाम से कैफे है।

हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री में लगी आग

आगरा । आगरा के शास्त्रीपुरम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित शर्मा इंडस्ट्रीज में शनिवार सुबह अचानक आग लग गई। फैक्ट्री के डस्ट कलेक्टर एरिया में जमा लकड़ी के बुरादे से धुआं उठने लगा। उस समय फैक्ट्री में 150 से ज्यादा कर्मचारी मौजूद थे। धुआं देखकर कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई।

फैक्ट्री प्रबंधन ने तत्काल सभी कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

धड़ल्ले से हो रहा मिट्टी खनन

ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की आवाजाही से ग्रामीणों के बीच भी यह मामला चर्चा का विषय

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। रामनगर थाना क्षेत्र की सुढ़ियामऊ चौकी अंतर्गत नंदाउपारा और मीरपुर पंचायत के बोदामऊ गांव के बीच इन दिनों बड़े पैमाने पर मिट्टी खनन किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों के मुताबिक, क्षेत्र में जेसीबी मशीन से लगातार मिट्टी की खुदाई की जा रही है और खुदाई से निकली मिट्टी को ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के जरिए आसपास के विभिन्न स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। लगातार खुदाई के चलते मार्गो पर व मौके पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे आसपास से गुजरने वाले लोगों के लिए भी खतरा बना हुआ है। सूत्रों का दावा है कि यह गतिविधि पिछले कई दिनों से जारी है। बताया जा रहा है कि तड़के करीब चार बजे से सुबह आठ बजे तक जेसीबी मशीन से मिट्टी की खुदाई होती है। इसके बाद ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से मिट्टी की ढुलाई की जाती है। सुबह के समय लगातार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की आवाजाही से ग्रामीणों के बीच भी यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय सूत्र बिना रॉयल्टी मिट्टी ढोए जाने का दावा कर रहे हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि खनन नियमानुसार अनुमति लेकर किया जा रहा है तो मौके पर संबंधित दस्तावेजों की जांच कर स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए।



अनुमति और रॉयल्टी को लेकर सवाल

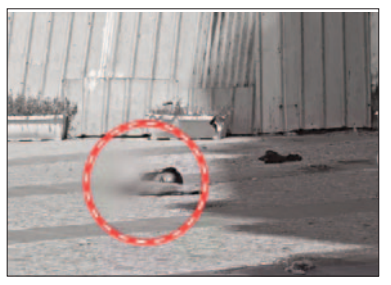
बड़े पैमाने पर हो रही मिट्टी की खुदाई और ढुलाई के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि इसके लिए संबंधित विभाग से नियमानुसार अनुमति ली गई है या नहीं। साथ ही मिट्टी की ढुलाई के लिए रॉयल्टी की प्रक्रिया पूरी की जा रही है या नहीं, इसे लेकर भी ग्रामीणों में सवाल उठ रहे हैं।

अधिकारियों ने कहा जानकारी नहीं, जांच के बाद होगी कार्रवाई

मामले में जिला खनन अधिकारी अनंत कुमार सिंह ने बताया कि नंदाउपारा और बोदामऊ के बीच मिट्टी खनन किए जाने की उन्हें जानकारी नहीं है। यदि मौके पर इस तरह से खनन हो रहा है तो मामले की जांच कराई जाएगी। जांच में नियमों का उल्लंघन मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

शरीर के टुकड़े हुए, 30-40 फीट दूर गिरे, यह 68 मंजिला इमारत नोएडा में है

यूपी की सबसे ऊंची बिल्डिंग के 43वें-फ्लोर से युवक कूदा

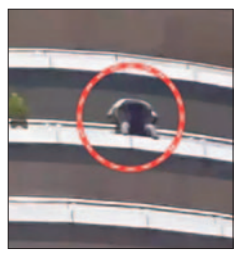


तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा । नोएडा में एक युवक ने शनिवार को यूपी की सबसे ऊंची बिल्डिंग से कूदकर जान दे दी। उसने 68 मंजिला बिल्डिंग की 43वें फ्लोर से छलांग लगा दी। जमीन पर गिरते ही उसके शरीर के टुकड़े हो गए। ये टुकड़े 30-40 फीट दूर तक फैल गए। हर तरफ खून ही खून फैल गया। घटना सेक्टर-94 में सुपरनोवा सोसाइटी के एस्पायर टावर की है।

घटना के वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें संभव जैन (29) रेलिंग पर लटकता दिखाई दे रहा है। इससे पहले वह करीब 2-3 सेकंड तक रेलिंग पर चला। इसी बीच 4 युवकों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन संभव हाथ छुड़ाकर कूद गया। जमीन पर गिरने के बाद हालत ऐसी थी कि पुलिस शव को बोरी में भरकर ले गई। शुरुआती जांच में आर्थिक तंगी की वजह से सुसाइड करने की बात सामने आ रही है। सुपरनोवा की 43वीं मंजिल की बालकनी की रेलिंग से एक युवक लटक रहा है। रेलिंग पर करीब 3 फीट तक शीशा लगा है। बालकनी के अंदर की तरफ 4 युवक खड़े हैं। चारों युवक उसका हाथ पकड़कर उसे कूदने से मना कर रहे हैं। लेकिन, वह किसी की भी बात सुनने को तैयार नहीं है। इसी बीच वह युवकों से पहले अपने हाथ छुड़वाता है। फिर पकड़ी गई रेलिंग को भी छोड़ देता है। कुछ ही पल में वह सीधे जमीन पर गिर जाता है। पुलिस के मुताबिक, संभव पुत्र विनय कुमार जैन गुरुग्राम के आईएमटी मानेसर क्षेत्र का रहने वाला है। 2 अक्टूबर को संभव ने सुपरनोवा बिल्डिंग में कमरा नंबर-4228 को किराए पर लिया था। यह एयर बीएनबी होटल का कमरा है। उसने दोपहर ढाई बजे चेक-इन किया। शनिवार सुबह 11:27 बजे वह कमरे की बालकनी पर चढ़कर बाहर की तरफ लटक गया। पास के कमरे (4227) में काम कर रहे 4 एसी टेक्नीशियन यह देखकर बाहर आए। संभव को समझाने लगे। उसे ऊपर आने के लिए मनाने लगे। संभव ने उनसे कहा कि वह बहुत ज्यादा डिप्रेशन में है। जीना नहीं चाहता। इसके बाद उसने छलांग लगा दी। सूचना मिलने पर थाना सेक्टर-126 की पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया है कि संभव ने घटना से पहले खुद एक वीडियो भी बनाया था। इसमें उसने आर्थिक तंगी का जिक्र करते हुए जान देने की बात कही है। पुलिस ने वीडियो जांच के लिए भेज दिया है।





वृंदावन में मां-बाप बोले- मेरा बेटा वापस कर दो, आश्रम के बाहर धरने पर बैठे

संत प्रेमानंद से दीक्षा लेकर 16 साल का लड़का लापता

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। हाथरस का रहने वाला 16 साल का लड़का तीन महीने से लापता है। शुक्रवार को उसके मां-बाप और परिवार के अन्य लोग वृंदावन पहुंचे। उनका दावा है कि बेटे ने 3 महीने पहले केलीकुंज आश्रम में संत प्रेमानंद महाराज से दीक्षा ली थी। इसके बाद से ही वह घर नहीं लौटा।

लड़के का नाम अनुज चौधरी है। वह हाथरस के बारामई खेड़ा गांव का रहने वाला है। परिजन सुबह 11 बजे से आश्रम के बाहर धरने पर बैठे हैं। इनमें अनुज के पिता राजवीर सिंह, मां, दादी, चार बहनें, चाचा और गांव के अन्य लोग बैठे हैं। परिजनों ने कहा कि जब तक अनुज नहीं मिलता, वे आश्रम के बाहर से नहीं हटेंगे। पिता राजवीर सिंह ने बताया कि अनुज का वृंदावन के पास पानीगांव में ननिहाल है। इसी दौरान वह संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन के लिए केली कुंज आश्रम जाने लगा। कुछ समय बाद उसने दीक्षा लेने का मन बनाया और करीब तीन महीने पहले मां को मनाकर प्रेमानंद महाराज से दीक्षा ले ली। दीक्षा लेने के बाद वह पांच दिन तक घर पर रहा। इसके बाद उसने कहा कि वह महाराज जी के दर्शन करने जा रहा है। वह प्रेमानंद महाराज की दी हुई कंठी-माला और तीन किताबें लेकर घर से निकला था।



दादी का आरोप- आश्रम वालों ने धक्का देकर भगाया

अनुज की दादी मुन्नी ने बताया, "25 तारीख को उसे दीक्षा लिए तीन महीने हो गए। दीक्षा लेने के बाद वह घर आया था। इसके बाद उसने कहा कि प्रेमानंद महाराज के दर्शन करने जा रहा है। वह केली कुंज आश्रम चला गया। इसके बाद से हमें उसका कोई हाल-चाल नहीं मिला।"उन्होंने आरोप लगाया कि अनुज के बारे में जानकारी लेने के लिए परिवार आश्रम पहुंचा, लेकिन वहां मौजूद लोगों ने उनकी बात नहीं सुनी और उन्हें धक्का देकर बाहर निकाल दिया। मुन्नी के मुताबिक, परिवार ने आश्रम में लगे कैमरे की रिकॉर्डिंग दिखाने की भी मांग की, लेकिन उन्हें कैमरे चेक नहीं करने दिए गए।

मुन्नी ने बताया कि आश्रम की ओर से उन्हें सिर्फ यही कहा गया कि अनुज साधना में है और वापस आ जाएगा। उन्होंने कहा कि परिवार ने सादाबाद और बिसावर थाने में शिकायत की थी। पुलिस भी आश्रम पहुंची, लेकिन परिवार को अभी तक अनुज के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है।



सादाबाद में पहले से दर्ज है मुकदमा

सीओ वृंदावन संदीप सिंह ने बताया कि अनुज के लापता होने के संबंध में सादाबाद में मुकदमा दर्ज है। आश्रम में दीक्षा से जुड़े रिकॉर्ड भी चेक किए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिजनों का आरोप है कि इतने दिनों से आश्रम का कोई व्यक्ति उनसे सीधे बात करने को तैयार नहीं था और उन्हें अनुज के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही थी।

बीएचयू सुपरस्पेशियलिटी टेंडर में गड़बड़ी का मामला

लोकपाल ने प्रशासन को किया तलब

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी के बीएचयू अस्पताल के सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक में दो साल पुराने MRI और अल्ट्रासाउंड मशीनों की टेंडर प्रक्रिया से जुड़ा मामला अब लोकपाल तक पहुंच गया है। शिकायत के बाद लोकपाल ने बीएचयू प्रशासन को नोटिस भेजकर 14 अक्टूबर को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया है। मामला अगस्त 2024 में निकाले गए टेंडर से जुड़ा है। प्रशासन ने सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक में MRI और CT स्कैन मशीनों के PPP संचालन के लिए प्रक्रिया शुरू की थी। बाद में टेंडर में गड़बड़ी की शिकायत सामने आने पर इसे रद्द कर दिया गया था और लंका थाने में भी मुकदमा दर्ज हुआ था। बीएचयू प्रशासन ने अगस्त 2024 में सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक में MRI और CT स्कैन मशीनों को PPP मॉडल पर संचालित करने के लिए टेंडर जारी किया था। इसमें एक नामित एजेंसी को जिम्मेदारी दी गई थी। बाद में टेंडर प्रक्रिया में अनियमितता के आरोप सामने आए। इसके बाद प्रक्रिया रद्द कर दी गई। इसी मामले को लेकर लंका थाने में मुकदमा दर्ज हुआ और लोकपाल के यहां भी शिकायत पहुंची। शिकायत मिलने के बाद लोकपाल की ओर से मामले में प्रारंभिक जांच के आदेश दिए गए। अब बीएचयू प्रशासन को निर्धारित तारीख पर कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए गए हैं।



पृष्ठ 01 का शेष...

मैड संधू की गोली मार...

उनका कंटेंट केवल मेकअप तक सीमित नहीं था, बल्कि फैशन, लाइफस्टाइल, पॉप कल्चर और सामाजिक मुद्दों पर भी वह अपनी राय रखते थे। उनकी पहचान इंस्टाग्राम रील्स और वायरल वीडियो के जरिए तेजी से बढ़ी। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर करीब 2.2 लाख से अधिक फॉलोअर थे। उनके प्रोफाइल पर वह खुद को मेकअप आर्टिस्ट, उद्यमी, कलाकार और इन्फ्लुएंसर बताते थे। उनका नाम Manelane Unisex Salon से भी जुड़ा था। संधू केवल छोटे सोशल मीडिया वीडियो तक सीमित नहीं रहे। वह पॉडकास्ट में भी नजर आए, जहां मेकअप, फिल्म इंडस्ट्री, फैशन, जेंडर और सामाजिक मुद्दों पर बातचीत करते थे। उनकी ऑनलाइन लोकप्रियता का एक कारण यह भी रहा कि उन्होंने अपने निजी अनुभवों और सामाजिक मुद्दों पर अपेक्षाकृत खुलकर बात की।

मैड संधू का पेशेवर सफर सोशल मीडिया से शुरू नहीं हुआ था। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार उन्होंने फैशन इंडस्ट्री में स्टाइलिस्ट और असिस्टेंट कॉस्ट्यूम डिजाइनर के तौर पर काम किया। उनका काम पंजाब और मुंबई की फिल्म इंडस्ट्री से भी जुड़ा रहा। बाद में उनका झुकाव मेकअप, फैशन और डिजिटल कंटेंट की ओर बढ़ा। इंस्टाग्राम रील्स और वायरल वीडियो ने उन्हें बड़ी संख्या में दर्शकों तक पहुंचाया। उन्होंने मेकअप और फैशन के साथ अपनी लाइफस्टाइल तथा सामाजिक विषयों पर भी सामग्री बनानी शुरू की। यही मिश्रण उनके डिजिटल प्रोफाइल की पहचान बन गया।

राफेल की पेंडिंग डील ...

यह खरीद फ्रांस के साथ सरकार-से-सरकार समझौते के तहत होगी।

यह भारत का अब तक का सबसे बड़ा रक्षा खरीद सौदा है। वायुसेना की युद्ध क्षमता बढ़ाने के लिए यह योजना करीब दो दशक पहले शुरू की गई थी।

एयर चीफ ने कहा, "अगर चीजें ठीक रहीं, तो हमें इस वित्त वर्ष में इसे (MRFA डील) साइन कर लेना चाहिए। यही मेरी उम्मीद है। लेकिन यह दोतरफा प्रक्रिया है।"

एयर चीफ मार्शल ने कहा कि वायुसेना तेजस मार्क-1A, MRFA के तहत मिलने वाले विमानों, तेजस मार्क-2 और एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (AMCA) के लड़ाकू विमानों का इंतजार कर रही है।

उन्होंने कहा कि अगर AMCA कार्यक्रम में देरी होती है, तो वायुसेना को किसी दूसरे प्लेटफॉर्म की खरीद पर भी विचार करना पड़ सकता है। रूस ने Su-57 विमानों की पेशकश की है, लेकिन इस पर अब तक कोई फैसला नहीं हुआ है।

ऑपरेशन सिंदूर के...

एयर चीफ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद थिएटराइजेशन योजना पर चर्चा ने "थोड़ी अलग दिशा" ले ली है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमें सीधे अनुभव मिले।"

उन्होंने कहा, "जब हम सरकार के सामने उपलब्ध विकल्प रखेंगे, तब मुझे पूरा भरोसा है कि इन फैसलों पर सरकार ही निर्णय लेगी।" उन्होंने इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। फिलहाल सेना, नौसेना और वायुसेना की अलग-अलग कमांड हैं। सरकार ने तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल के लिए 2019 में थिएटराइजेशन योजना का ऐलान किया था। हालांकि, इस पर अब तक कोई बड़ा डेवलपमेंट नहीं हुआ है। इस मॉडल के तहत सेना, वायुसेना और नौसेना की क्षमताओं को एक साथ जोड़ा जाएगा। युद्ध और अभियानों में उनके संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल किया जाएगा। एयर चीफ ने कहा कि सरकार तय करेगी कि थिएटराइजेशन के लिए किस तरह का संगठन बनाया जाए। यह भी तय होगा कि इसे किस क्रम में बनाया जाए और एक साथ लागू किया जाए या धीरे-धीरे।

थिएटराइजेशन योजना के तहत हर थिएटर कमांड में सेना, नौसेना और वायुसेना की यूनिट होंगी। ये सभी एक साथ काम करेंगी और किसी तय भौगोलिक क्षेत्र की सुरक्षा चुनौतियों को संभालेंगी।

'लोग अपनी समस्या...

मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और वोटर लिस्ट के SIR के विरोध में विपक्षी दल, कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) और लेफ्ट छात्र संगठन प्रदर्शन कर रहे हैं।

CJP ने शुक्रवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में प्रदर्शन किया। वे 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जुटेंगे। वहीं, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सांसद 6 अक्टूबर को चुनाव आयोग का घेराव करेंगे। दरअसल, द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, दो चुनाव आयुक्तों विवेक जोशी और सुखबीर सिंह संधू ने फॉर्म 6 में बदलाव और SIR से जुड़े फैसलों को लेकर 10 महीने में 14 बार आपत्ति जताई थी। इस रिपोर्ट के आने के बाद CEC ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और पुरानी वोटर लिस्ट पर चुनाव कराने की मांग शुरू हो गई।

जंतर-मंतर पर दूसरे...

यह प्रदर्शन इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के कुछ दिन बाद हो रहा है, जिसमें बताया गया था कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में SIR से जुड़े फैसलों और आदेशों पर रिकॉर्ड में कम से कम 14 बार आपत्ति जताई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों अधिकारियों ने कहा था कि ये फैसले और आदेश उनकी जानकारी या सिफारिश के बिना जारी किए गए। SIR प्रक्रिया को लेकर दोनों चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों के बाद चुनाव आयोग पर सवाल उठ रहे हैं। आयोग ने कहा है कि किसी भी संस्था में चर्चा के दौरान अलग-अलग राय और टिप्पणियां सामान्य बात हैं।

EC ने कहा कि उसके सभी आदेशों को पूरा कानूनी आधार हासिल है। आयोग के मुताबिक, ये आदेश तय कानूनी प्रक्रियाओं के तहत जारी किए गए हैं। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग, SIR और वोटर लिस्ट से जुड़े विवादों पर गुरुवार को 55 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश ने वोट चोरी की है। वे देशद्रोही हैं। मैंने उनकी नियुक्ति का विरोध किया था, लेकिन सरकार ने मेरी बात नहीं मानी।

नेहा बोरा ने किया था...

उनका आरोप है कि वोटर लिस्ट में संशोधन के दौरान अनियमितताएं हुई हैं। प्रदर्शन में AISA, SFI, NSUI, AAP और अन्य राजनीतिक व छात्र संगठन शामिल थे।

पाकिस्तानी आतंकी...

FIR में आरोप है कि राणा हनैन ने विशाल को 'राहे हक' और 'RANA BHAI 333' नाम के व्हाट्सएप चैनलों के लिंक भेजे थे। वह इन चैनलों से जुड़ गया था।

उसने इन चैनलों पर ऐसे पोस्ट और वीडियो देखे, जिन्हें भारत की एकता और संप्रभुता के खिलाफ और देश-विरोधी बताया गया है।

पुलिस ने यह भी आरोप लगाया कि व व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम के जरिए मैनपुरी के आशु शर्मा और राज भाई उर्फ लकी सिंह के संपर्क में था।

फोन की जांच से नेटव...

FIR के अनुसार, मोबाइल की शुरुआती जांच और इंस्टाग्राम-व्हाट्सएप की पड़ताल में विशाल के संपर्कों का पता चला। विशाल और नोमी खान के बीच अवैध हथियारों की तस्करी और बिक्री को लेकर बातचीत हुई थी।

'छात्रवृत्ति के लिए प्रति...

उन्होंने कहा कि 2017 से पहले यूपी में अक्सर दंगे-कर्फ्यू लगते थे। बच्चे पढ़ाई छोड़ देते थे। सरकार कहती थी की उनकी रुचि ही नहीं। हमने अध्ययन कराया तो पता चला कि ज्यादातर बच्चियां स्कूल छोड़ती हैं क्योंकि स्कूल में पीने का पानी और टायलेट भी नहीं है। हमने ऑपरेशन कायाकल्प के तहत बालक-बालिकाओं के लिए अलग-अलग टायलेट की व्यवस्था कराई। पीने के पानी और अन्य सुविधाओं का इंतजाम किया। आज के दिन में बेसिक शिक्षा के 1.60 करोड़ बच्चों को हम कॉपी-किताब, यूनिफॉर्म, जूते-मोजे आदि का भी इंतजाम कर हैं। अटल विद्यालयों में अनाथ बच्चों का पालन पोषण करने के साथ ही सरकार उनकी अच्छी पढ़ाई-लिखाई भी करा रही है।

छात्रवृत्ति मार्च के अन्त...

उन्होंने कहा कि पूर्व सरकारों में छात्रवृत्ति के लिए छात्र-छात्राओं को पूरे साल प्रतिक्षा करनी पड़ती थी लेकिन अब ऐसा नही है। छात्रवृत्ति के बजट में सालाना बढ़ोत्तरी के लिए राज्यमंत्री ने मा0 मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि विगत सरकारों में जो बजट सिर्फ 1286 करोड़ था, वह आज की योगी सरकार में 3402 करोड़ हो गया है जो विगत बजट से तीन गुना अधिक है।

फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराया, अभिषेक और तिलक की हाफ सेंचुरी

भारत ने लगातार दूसरी बार जीता एशियाड क्रिकेट का गोल्ड

- भारत ने एशियन गेम्स के मेंस क्रिकेट टूर्नामेंट का गोल्ड जीत लिया है। उसने फाइनल मैच में पाकिस्तान को 19 रन से हराया।
- पाकिस्तान को आखिरी ओवर में 33 रन की जरूरत थी, लेकिन शिवम दुबे ने 13 रन ही दिए। उन्होंने एक विकेट भी झटका।

मुकाबला

निशिन, जापान, एजेंसी

भारत ने फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को 19 रन से हराकर लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में मेंस क्रिकेट का गोल्ड मेडल जीत लिया है। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए भारत ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 211 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 192 रन ही बना सकी।

पाकिस्तान के लिए हसन नवाज ने सबसे ज्यादा 96 रन बनाए। सईम अयूब ने 29 रन की पारी खेली। भारत की ओर से वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल और शिवम दुबे ने 2-2





विकेट लिए। 13वें ओवर में हसन नवाज ने फिफ्टी पूरी कर ली है। हसन नवाज ने रवि बिश्नोई की 5वीं बॉल पर छक्का लगाकर अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने आखिरी बॉल पर भी चौका लगाया। 11वें ओवर में सईम अयूब और हसन नवाज ने चौथे विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी कर ली। सईम अयूब ने अभिषेक की आखिरी बॉल पर साझेदारी का 50वां रन बनाया। पाकिस्तान ने 39 रन पर तीसरा विकेट गंवाया। 9वें ओवर में पाकिस्तानी बैटर हसन नवाज को जीवनदान मिला। अभिषेक शर्मा की तीसरी बॉल पर वैभव सूर्यवंशी और रवि बिश्नोई से लॉन्ग ऑफ में कैच ड्रॉप हुआ। इस दौरान सूर्यवंशी चोटिल भी हुए। अगली ही गेंद पर हसन नवाज ने अभिषेक की बॉल पर छक्का भी लगाया। इस ओवर में 10 रन बने।

7वें ओवर की पहली गेंद पर अक्षर पटेल ने माज सदाकत को आउट कर दिया। सदाकत ने स्वीप शॉट खेलकर गेंद को बैकवर्ड स्क्वेयर लेग के ऊपर से मारने की कोशिश की, लेकिन वॉशिंगटन सुंदर ने जगलिंग कैच पकड़ा। कैच को चेक किया गया और सदाकत को आउट दिया गया। माज सदाकत 23 रन (18 गेंद, 3 चौके) बनाकर पवेलियन लौटे। उन्हें अक्षर पटेल ने आउट किया। 5वें ओवर में अक्षर पटेल ने उस्मान खान को आउट कर दिया। उस्मान ने शॉट खेला, लेकिन शिवम दुबे ने कैच पकड़ लिया। उस्मान खान 6 गेंद पर 3 रन बनाकर आउट हुए।

सईम आउट, 87 रन की साझेदारी टूटी

15वें ओवर में शिवम दुबे ने पहली ही गेंद पर सईम अयूब को आउट कर दिया। उन्होंने साझेदारी तोड़कर भारत को अहम सफलता दिलाई। वॉशिंगटन सुंदर ने उनका कैच पकड़ा। सईम अयूब 29 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उनके और हसन नवाज के बीच 48 बॉल पर 87 रन की साझेदारी हुई। 18वें ओवर की तीसरी बॉल पर पाकिस्तान ने छठा विकेट गंवाया। यहां पर वॉशिंगटन सुंदर ने अब्दुल समद को तिलक वर्मा के हाथों लॉन्ग-ऑन पर कैच कराया। समद ने बिना ज्यादा फुटवर्क के बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद ऊंची गई और फील्डर के हाथों में समा गई। समद 9 रन बनाकर आउट हुए।

पाकिस्तान के खिलाफ भारत का सबसे बड़ा स्कोर

भारत ने टी-20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान के खिलाफ अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। पिछला रिकॉर्ड 192/5 का था, जो भारत ने 2012 में अहमदाबाद में बनाया था। भारत की ओर से ओपनर अभिषेक शर्मा ने 28 गेंद पर 7 छक्कों की मदद से 61 रन बनाए। तिलक वर्मा ने 22 गेंदों पर 4 छक्कों की मदद से 51 रन बनाए।



ईशान किशन और संजू सैमसन जीत सेलिब्रेट करते हुए।

सुंदर के ओवर में 16 रन आए

17 ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर 4 विकेट पर 160 रन है। हसन नवाज 40 गेंदों पर 79 रन बनाकर खेल रहे हैं, जबकि अब्दुल समद 7 गेंदों पर 8 रन पर हैं। इस ओवर से 16 रन आए। शिवम दुबे के ओवर में हसन नवाज ने लगातार दो चौके लगाए, जबकि अब्दुल समद ने भी एक चौका जड़ा। पाकिस्तान को अब 24 गेंदों पर 68 रन की जरूरत है। भारत की ओर से दुबे ने 2 ओवर में 20 रन देकर 1 विकेट लिया है।

साउथ अफ्रीकी प्लेयर ने टी 20 में गेल का रिकॉर्ड तोड़ा

प्रिटोरियस ने 188 रन बनाए, 79 गेंदों में 15 चौके और 13 छक्के लगाए

नई दिल्ली, एजेंसी

साउथ अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रिटोरियस टी-20 क्रिकेट में एक मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने ब्लोमफॉन्टेन में साउथ अफ्रीका की घरेलू टी-20 प्रतियोगिता CSA टी-20 चैलेंज में टाइटंस की ओर से खेलते हुए नाइट्स के खिलाफ 79 गेंद में नाबाद 188 रन बनाए। प्रिटोरियस ने 13 छक्के और 15 चौके लगाए।

वहीं, टी-20 इंटरनेशनल की एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एरोन फिंच के नाम है। फिंच ने 2018 में जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे में 76 गेंद में 172 रन बनाए थे।



उनकी पारी में 16 चौके और 10 छक्के शामिल थे। प्रिटोरियस की पारी की मदद से टाइटंस ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 267 रन बनाए। जवाब में नाइट्स की टीम 17.2 ओवर में 143 रन पर ऑलआउट हो गई। टाइटंस ने यह मुकाबला 124 रन से जीता। प्रिटोरियस ने वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल का 13 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। गेल ने 2013 IPL में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से पुणे वॉरियर्स के खिलाफ नाबाद 175 रन बनाए थे।

प्रिटोरियस ने अपना 176वां रन पूरा करते ही गेल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। अब पुरुषों के टी-20 क्रिकेट में एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड उनके नाम है। प्रिटोरियस की पारी का स्ट्राइक रेट 237.97 रहा। उन्होंने अपनी पारी में बाउंड्री से ही 138 रन बनाए। प्रिटोरियस ने सिर्फ 24 गेंद में फिफ्टी पूरी की। इसके बाद अगले 16 गेंद में 50 रन बनाकर 40 गेंद में शतक पूरा किया।

एशियाड में भारत को 19वां गोल्ड

मेंस क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को हराया, प्रणवी ने गोल्फ, कुमकुम ने तीरंदाजी में सोना जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने एशियन गेम्स में 19वां गोल्ड मेडल जीत लिया है। मेंस क्रिकेट टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर गोल्ड अपने नाम किया। इससे पहले प्रणवी उर्स ने गोल्फ के विमेंस इंडिविजुअल स्ट्रोक प्ले में और 17 साल की तीरंदाज कुमकुम मोहोद ने रिकर्व महिला इंडिविजुअल कैटेगरी में गोल्ड जीता था।

भारत ने शनिवार को कुल 5 मेडल अपने नाम किए। इसके साथ ही भारत के कुल 81 मेडल हो गए हैं और वह मेडल टैली में 5वें स्थान पर है। भारत के अमन सहरावत पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल के फाइनल में उतरेंगे। उनका मुकाबला उत्तर कोरिया के पहलवान से होगा। इस कैटेगरी में अभी ब्रॉन्ज मेडल के मुकाबले



चल रहे हैं। दो ब्रॉन्ज बाउट के बाद अमन का फाइनल शुरू होगा। रिकर्व मेंस इंडिविजुअल में भारत के नीरज चौहान ने ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया। दबाव में नीरज ने शानदार निशानेबाजी की और अपने साथी खिलाड़ी धीरज बोम्मदेवरा को हराकर पदक अपने नाम किया। मुकाबले के बाद दोनों भारतीय तीरंदाजों ने एक-दूसरे को गले लगाया। इसके साथ ही एशियन गेम्स में भारत का रिकर्व अभियान 2 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज के साथ खत्म हुआ। रिकर्व की सभी कैटेगरी में भारत ने मेडल जीता। कंपाउंड में भारत ने 3 गोल्ड और 1 ब्रॉन्ज जीता। इस तरह तीरंदाजी में भारत ने कुल 5 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज, यानी 9 मेडल अपने नाम किए। पुरुषों के 74 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग के रेपेचेज में सागर जगलान ने उज्बेकिस्तान के रजामबेक जमालोव को 7-3 से हरा दिया। इसके साथ ही उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में जगह बना ली है। सभी मेडल मुकाबले दोपहर के सेशन में खेले जाएंगे। इनकी शुरुआत करीब 2:30 बजे से होगी।

पुरुष वॉलीबॉल के 5वें-6वें स्थान के मुकाबले में भारत को थाईलैंड के खिलाफ 2-3 से हार मिली। भारत ने मुकाबला 25-19, 17-25, 25-21, 17-25, 15-17 से गंवाया। इस हार के साथ भारतीय टीम टूर्नामेंट में छठे स्थान पर रही।

क्रिकेटः भारत ने जीता गोल्ड, पाकिस्तान को 15 रन से हराया

भारत ने मेंस क्रिकेट फाइनल में पाकिस्तान को 15 रन से हराकर गोल्ड मेडल जीत लिया। भारत के 211 रन के जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 192 रन ही बना सकी। पाकिस्तान के हसन नवाज ने शानदार पारी खेलते हुए 96 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। भारत की ओर से अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और शिवम दुबे के बनाए रन जीत में बेहद अहम रहे। यह एशियन गेम्स 2026 में भारत का 19वां गोल्ड मेडल है। इसके साथ ही भारत ने क्रिकेट के दोनों गोल्ड अपने नाम कर लिए हैं। इससे पहले भारतीय महिला टीम ने भी गोल्ड जीता था।

मनोरंजन

वर्ल्डवाइड कमाई हुई 95 करोड़, धुरंधर, पठान-एनिमल के रिकॉर्ड टूटे, अजय देवगन की सबसे बड़ी ओपनिंग

दृश्यम 3 ने ओपनिंग डे पर बनाए रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3: द कन्क्लूजन' ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 66.75 करोड़ रुपए कमाए। यह अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग है। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी यह फिल्म शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म में अजय देवगन विजय सलगांवकर के रोल में लौटे हैं।

सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने भारत में 15,759 शोज से 66.75 करोड़ रुपए नेट कमाए। इसका ग्रॉस कलेक्शन 80.10 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। विदेशों में फिल्म ने 15 करोड़ रुपए कमाए। इससे इसकी कुल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कमाई



95.10 करोड़ रुपए हो गई है।

'दृश्यम 3' इस साल किसी हिंदी फिल्म की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म बन गई है। यह सिर्फ 'धुरंधर द रिवेंज' से पीछे है।

यह बॉलीवुड इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली फिल्म भी बन गई है। इससे आगे सिर्फ 'धुरंधर 2' और 'जवान' हैं। वर्ल्डवाइड कलेक्शन में फिल्म ने 'कल्कि' की 95 करोड़ रुपए और 'सालार' की 91 करोड़ रुपए की कमाई को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म रिलीज से पहले ही एडवांस बुकिंग में जबरदस्त डिमांड देखी गई थी। बुकिंग शुरू होने के सात दिनों में फिल्म ने भारत में 60.17 करोड़ रुपए ग्रॉस कमाए। इसमें ब्लॉक की गई सीटों की कमाई भी शामिल है। ब्लॉक सीटों को हटाकर एडवांस ग्रॉस कलेक्शन 49.29 करोड़ रुपए रहा। फिल्म ने 51,570 शोज में करीब 18.02 लाख टिकट बेचे। शुक्रवार को ओपनिंग डे पर हुई कमाई के बाद वीकेंड में फिल्म की कमाई में उछाल आने के अनुमान हैं। ये फिल्म अजय देवगन की कई हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्मों का भी रिकॉर्ड तोड़ सकती है। फिलहाल उनकी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म तान्हाजीः द अनसंग वॉरियर है, जिने कुल 361 करोड़ कमाए थे। इससे पहले एक्टर अक्षय खन्ना के आखिरी वक्त पर शूटिंग छोड़ने को लेकर यह फिल्म चर्चा में रही थी।

अजय के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग

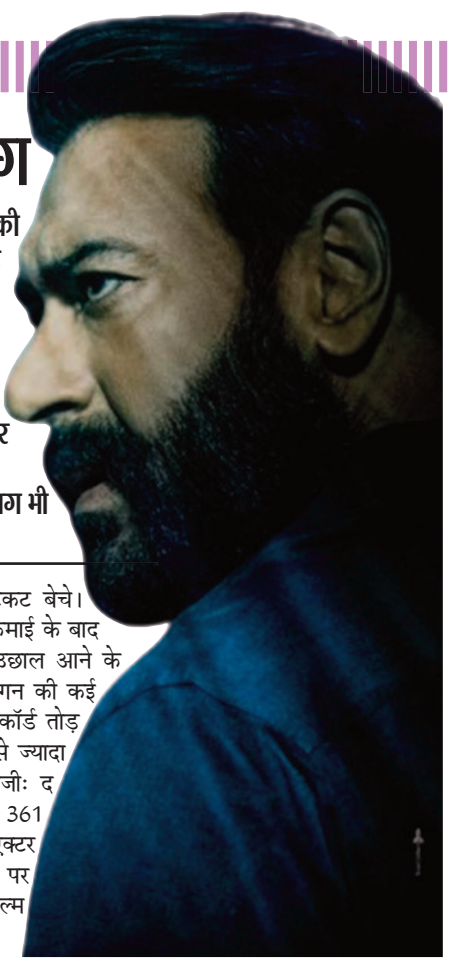
अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्मों में दृश्यम 3: द कन्क्लूजन ने नया रिकॉर्ड बनाया है। फिल्म ने पहले दिन 66.75 करोड़ कमाई के साथ अजय देवगन की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग दर्ज की। इससे पहले यह रिकॉर्ड सिंघम अगेन के नाम था, जिसने पहले दिन 43.50 करोड़ कमाए थे।

स्टार कास्ट और फिल्म का बैकग्राउंड

फिल्म 'दृश्यम 3: द कंक्लुजन' में अजय देवगन एक बार फिर विजय सालगांवकर के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में उनके साथ तबु, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव, रजत कपूर और प्रकाश राज अपनी पुरानी भूमिकाओं में लौट रहे हैं।

इस पार्ट में जयदीप अहलावत की भी एंट्री हुई है। यह फ्रेंचाइजी अपनी सस्पेंस थ्रिलर कहानी के लिए जानी जाती है, जिसके पहले दोनों पार्ट बॉक्स ऑफिस पर सफल रहे थे।

- फिल्म ने रणवीर सिंह की 'धुरंधर' की 30 करोड़ रुपए की ओपनिंग को पीछे छोड़ा। इसने शाहरुख खान की 'पठान' की 57 करोड़ रुपए और रणबीर कपूर की 'एनिमल' की 63 करोड़ रुपए की ओपनिंग भी पार कर ली।



बाली से स्ट्रेचर पर मुंबई लाई गईं नुसरत भारूचा

इशारों में करती दिखीं बातें वीडियो हुआ वायरल

नई दिल्ली। बाली में एक्सीडेंट की वजह से 'प्यार का पंचनामा' एक्ट्रेस नुसरत भरूचा (Nushrratt Bharuccha) काफी मुश्किल घड़ी से गुजर रही हैं। इस हादसे में एक्ट्रेस की रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया है, जिसकी सर्जरी मुंबई के अस्पाल में होगी। एक्सीडेंट के बाद एक्ट्रेस का अब पहला वीडियो सामने आया है, जिसमें वह स्ट्रेचर पर लेटी हैं और उनकी हालत काफी गंभीर लग रही है।

बाली से नुसरत भरूचा को सर्जरी के लिए एयर एम्बुलेंस के जरिए मुंबई लाया गया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में नुसरत को स्ट्रेचर पर लेटी हुई हैं और उनकी नाक में नेजल कैन्युला लगी हुई है। मेडिकल टीम और एयरपोर्ट अधिकारी उन्हें एम्बुलेंस में चढ़ाने में मदद कर रहे हैं। बाली से मुंबई लाई जा रहीं एक्ट्रेस को लगातार डॉक्टरों और मेडिकल टीम की निगरानी में रखा गया। नुसरत भरूचा की वायरल वीडियो से उनकी गंभीर हालत का साफ पता चलता है।

नुसरत भरूचा के साथ इस मुश्किल घड़ी में उनके परिवार के सदस्य और कुछ करीबी लोग भी मौजूद हैं, ताकि उन्हें पूरी सुरक्षा के साथ भारत लाया जा सके। वायरल वीडियो को देखने के बाद एक्ट्रेस के चाहने वालों को उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता सता रही है। वह एक्ट्रेस को अपनी दुआएं भेज रहे हैं।

पुलिस परमिशन न मिलने के बाद भी पहुंचे, दीपके को गले लगाया शबाना आजमी-विशाल ददलानी भी पहुंचे

सीजेपी के आंदोलन में शामिल हुए नसीरुद्दीन

नई दिल्ली, एजेंसी

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मुंबई के शिवाजी पार्क में आयोजित प्रदर्शन में नसीरुद्दीन शामिल हुए। पुलिस की इजाजत न मिलने के बावजूद कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के इस प्रदर्शन में अभिनेत्री शबाना आजमी और संगीतकार विशाल ददलानी भी पहुंचे।

शर्लिन चोपड़ा और विशाल भारद्वाज समेत कई सेलेब्स ने सरकार के खिलाफ आवाज उठाई।

इन बॉलीवुड सेलेब्स की मौजूदगी से प्रदर्शन स्थल पर भीड़ जुट गई। इन कलाकारों ने वोटर लिस्ट में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठाई और नागरिकों के विरोध करने के अधिकार का खुलकर समर्थन किया। फिल्ममेकर विशाल भारद्वाज भी पत्नी के साथ कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट का हिस्सा बने। इस दौरान उनसे पूछा गया कि क्या बॉलीवुड वालों को भी इस मुद्दे में सपोर्ट देना चाहिए। जवाब में उन्होंने कहा- मैं बॉलीवुड से ही तो हूं। अन्य कलाकारों के बारे में पूछे जाने पर विशाल भारद्वाज ने कहा- ये हर एक की अपनी मर्जी है। अगर किसी को मन से लगता है कि जो हो रहा है वो गलत है, तो सपोर्ट में आए और नहीं लगता तो न करे। बॉलीवुड सिंगर विशाल ददलानी ने भी शिवाजी पार्क पहुंचकर आंदोलन को अपना समर्थन दिया। उन्होंने सीजेपी नेता अभिजीत दीपके से मुलाकात की और उन्हें गले लगाया। विशाल ने कार्यक्रम से पहले भी सोशल मीडिया के जरिए इस प्रदर्शन का समर्थन किया था। सीजेपी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से विशाल की मौजूदगी की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए गए।



अभिनेत्री शबाना आजमी भी प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचीं और उनका हौसला बढ़ाया। शबाना ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करना हर नागरिक का अधिकार है।

जब वोटर लिस्ट से बिना किसी कारण लोगों के नाम हटा दिए जाएं, तो जनता का विरोध करना बिल्कुल सही है। इससे पहले शबाना आजमी नीट पेपर लीक मुद्दे पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन में भी शामिल हो चुकी हैं।

नसीरुद्दीन शाह ने दीपके को गले लगाकर कहा शुक्रिया

प्रदर्शन के दौरान अभिनेता नसीरुद्दीन शाह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने इस वीडियो को शेयर किया। वीडियो में नसीरुद्दीन शाह आयोजक अभिजीत को गले लगाते और धन्यवाद कहते दिख रहे हैं। अभिजीत ने बताया कि वे नसीरुद्दीन शाह के बहुत बड़े फैन हैं और उनका इस प्रदर्शन में आना किसी सपने के सच होने जैसा है।

पुजारी समेत श्रद्धालु अंदर मौजूद थे ■ 5 साल में 15 से ज्यादा बार मंदिरों को निशाना बनाया

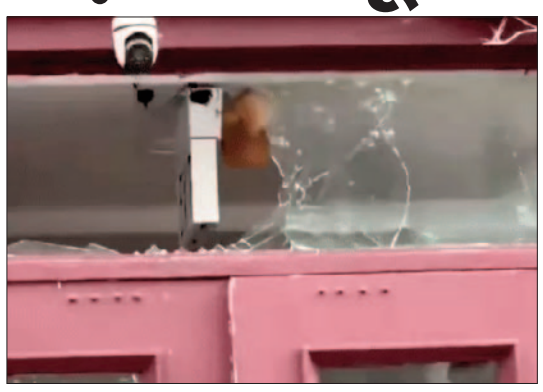
अमेरिका में हिंदू मंदिर पर हमला, खिड़कियां टूटीं

हड़कंप

ओहायो, एजेंसी

अमेरिका के ओहायो में शुक्रवार को हिंदू मंदिर पर ईंटों से हमला किया गया। इसमें मंदिर को काफी नुकसान हुआ। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन के मुताबिक, दोपहर 1:30 बजे श्री स्वामीनारायण वडताल धाम हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक हमले में मंदिर की खिड़कियां टूट गईं। घटना के समय पुजारी और कई श्रद्धालु मंदिर के अंदर मौजूद थे। इस घटना का CCTV फुटेज मौजूद है। अधिकारी इनकी जांच कर रहे हैं।



■ अमेरिका के ओहायो में शुक्रवार को मंदिर पर हमले के बाद का यह वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया।

हिंदू स्वयंसेवक संघ USA के मुताबिक पिछले 5 साल में अमेरिका में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाकर 15 से ज्यादा तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं। इनमें 6 BAPS मंदिर शामिल थे।

मंदिर के अंदर खिड़कियों के टूटे कांच जमीन पर गिरे नजर आए। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कहा कि वह हर संभव मदद देने के लिए तैयार है।



■ मंदिर के अंदर खिड़कियों के टूटे कांच जमीन पर गिरे नजर आए। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कहा कि वह हर संभव मदद देने के लिए तैयार है।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने इसे हेट क्राइम बताया

फाउंडेशन ने कहा कि यह संभावित हेट क्राइम हो सकता है। संगठन के मुताबिक, यह घटना ऐसे समय हुई है, जब अमेरिका में हिंदू-अमेरिकी समुदाय के खिलाफ नफरत और हिंसा से भरी बयानबाजी बढ़ी है। संगठन ने कानून लागू करने वाली एजेंसियों से हमलावरों को जल्द पकड़ने को कहा है। साथ ही अमेरिकी नेताओं और सरकारी एजेंसियों से भारतीय और हिंदू-अमेरिकी समुदायों के खिलाफ नफरत भरी बयानबाजी की साफ तौर पर निंदा करने की अपील की है।

> कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका पहले भी अमेरिका में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और मंदिरों में तोड़फोड़ को लेकर चिंता जताता रहा है। संगठन ने ऐसे मामलों की एक टाइमलाइन भी तैयार की है।

अब तक कोई आरोपी सामने नहीं आया

ANI के मुताबिक, हमले के मामले में अब तक किसी संदिग्ध की सार्वजनिक पहचान नहीं हुई है और किसी गिरफ्तारी की भी तत्काल पुष्टि नहीं की गई है। अधिकारियों ने अभी तक हमले के पीछे धार्मिक मकसद होने की पुष्टि नहीं की है।

यह घटना ऐसे समय हुई, जब अमेरिका के ओहायो समेत कई हिस्सों में हिंदू संगठन हिंदू हेरिटेज मंथ मना रहे हैं। घटना नवरात्रि से ठीक पहले भी हुई है।

हिंदू हेरिटेज मंथ अमेरिका में हर साल अक्टूबर में मनाया जाता है। इस दौरान हिंदू संगठन और समुदाय के लोग हिंदू धर्म, संस्कृति, त्योहारों और परंपराओं से जुड़े कार्यक्रम करते हैं। इसका मकसद लोगों को हिंदू संस्कृति के बारे में बताना और अमेरिका में रहने वाले हिंदू समुदाय की पहचान और परंपराओं को सामने लाना है।

जेन्सेन हुआंग की नेटवर्थ 200 बिलियन डॉलर पार

एनवीडिया के शेयर ने ऑल-टाइम हाई बनाया

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी AI चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया कॉरपोरेशन के को-फाउंडर और CEO जेन्सेन हुआंग की कुल नेटवर्थ 200 बिलियन डॉलर के पार पहुंच गई है। शुक्रवार को एनवीडिया के शेयर के ऑल-टाइम हाई पर पहुंचने के बाद उनकी नेटवर्थ में यह उछाल आया। फोर्ब्स रियल-टाइम बिलियनेयर्स लिस्ट के मुताबिक, शुक्रवार सुबह हुआंग की संपत्ति बढ़कर लगभग 203.2 बिलियन यानी करीब 19.5 लाख करोड़ रुपए हो गई। इस बढ़त के साथ वह दुनिया के 7वें सबसे अमीर इंसान बन गए हैं।शुक्रवार के कारोबारी सेशन में एनवीडिया का शेयर 237 डॉलर के ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। जिससे हुआंग की संपत्ति में एक ही दिन में 3.4 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ। हालांकि, बाद में शेयर ऊपरी स्तरों से थोड़ा फिसलकर करीब 1.3% की तेजी के साथ 233.95 डॉलर पर बंद हुआ। जेन्सेन हुआंग ने 1993 में एनवीडिया की स्थापना की थी और उनके पास कंपनी की लगभग 4% हिस्सेदारी है। AI में इस्तेमाल होने वाले चिप्स की बढ़ती ग्लोबल डिमांड के कारण एनवीडिया दुनिया की सबसे वैल्यूएबल पब्लिकली ट्रेडेड कंपनी बन चुकी है। इसी के साथ हुआंग की संपत्ति में भी जबरदस्त उछाल आया है।



फास्ट न्यूज

केन्या में भीषण सड़क हादसा

नैरोबी। केन्या के तटीय शहर मोम्बासा जाने वाले मुख्य राजमार्ग पर शनिवार को कई वाहनों की आपस में हुई भीषण टक्कर में 13 लोगों की जान चली गई। पुलिस के अनुसार, इस दर्दनाक हादसे में मारे गए अधिकांश लोग तीर्थयात्री थे, जो एक धार्मिक स्थल पर प्रार्थना के लिए जा रहे थे। एक ट्रक चालक ने आगे चल रहे दूसरे ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश की, लेकिन वह वाहन पर से संतुलन खो बैठा।

कैप्टन मच्छर पर को-पायलट ने कुल्हाड़ी से किया था वार

दुबई। बीते दिनों फ्लाईदुबई की उड़ान के दौरान हुए सनसनीखेज हाईजैकिंग की कोशिश और हमले के मामले में संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के अभियोजन पक्ष ने शनिवार को एक बड़ा खुलासा किया है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि ओमान का को-पायलट हम्माम अल-हम्मामी ने भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर पर कॉकपिट की क्रैश कुल्हाड़ी से हमला किया था और यह एक आतंकवादी हमला था। आरोपी का मकसद विमान को अपने नियंत्रण में करना था।

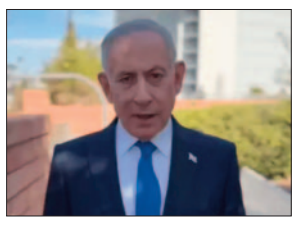
पुतिन के सामने 'रूसी ड्रोन वॉर मशीन' का प्रदर्शन

मॉस्को। रूस के रणनीतिक सैन्य अभ्यास सेंटर 2026 के अंतिम चरण से बेहद चौंकाने वाले देखने को मिले, मैदान-ए-जंग में ड्रोनों ने लक्ष्यों पर भीषण बमबारी की, जिसके जोरदार धमाकों से पूरा इलाका दहल उठा। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 2 अक्टूबर को चेल्याबिंस्क क्षेत्र के चेबरकुल-स्की ट्रेनिंग ग्राउंड पहुंचकर इस युद्धाभ्यास का निरीक्षण किया।

हमलावर को किसने भेजा जांच कर रहे : नेतन्याहू

चुनाव में हार रहे थे नेतन्याहू, हादसे का फायदा मिला

तेल अवीव, एजेंसी



इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि फ्लाईदुबई की फ्लाइट में कैप्टन पर हमले के आरोपी ओमानी पायलट को किसने भेजा था, इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस घटना के पीछे कोई व्यक्ति या संगठन मिला, तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इस बीच, वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, विमान पर हमले की घटना से नेतन्याहू को राजनीतिक फायदा मिला है। इजराइल में 27 अक्टूबर को चुनाव होना है। अब तक नेतन्याहू ने चुनाव में पिछड़ रहे थे, हालांकि इस घटना के बाद उन्हें फिर से लोगों का समर्थन मिल रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हमले से एक दिन पहले नेतन्याहू ने चेतावनी दी थी कि इजराइल पर जल्द हमला हो सकता है। कुछ ही घंटों बाद फ्लाईदुबई की फ्लाइट में हाईजैकिंग की कोशिश हुई। नेतन्याहू के समर्थकों का कहना है कि उनकी चेतावनी सही साबित हुई, जबकि विपक्ष ने इसे उनकी सरकार की एक और सुरक्षा चूक बताया। नेतन्याहू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा कि आरोपी इस्लामी कट्टरपंथ से प्रभावित था और विमान में सवार सभी यात्रियों के साथ उसे क्रैश कराना चाहता था। नेतन्याहू ने प्लेन में सवार इजराइली यात्रियों की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने 9/11 जैसे बड़े हमले को होने से रोक दिया।

इस्लामाबाद मार्च टालने पर चर्चा, पीटीआई की मांग- इमरान से मिलने दें, अस्पताल में इलाज कराएं

इमरान की पार्टी और पाक सरकार की बातचीत आज

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) और सरकार के बीच आज फिर बातचीत होगी। बैठक में 4 अक्टूबर को होने वाले PTI के इस्लामाबाद मार्च को टालने और राजनीतिक तनाव कम करने पर चर्चा होगी।

शुक्रवार को दोनों पक्षों के बीच पहली बैठक हुई थी, लेकिन किसी तरह की सहमति नहीं बन पाई।

PAK संसद स्पीकर अयाज सादिक के चैंबर में दोपहर 2 बजे होने वाली बैठक में सरकार, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) और PTI के प्रतिनिधि शामिल होंगे। PTI ने मांग रखी है कि इमरान खान से तुरंत मुलाकात करने दी जाए। उन्हें ऐसे अस्पताल ले जाया जाए, जहां उनके निजी डॉक्टर उनकी जांच कर सकें।



पार्टी ने इमरान की बहनों और प्रदर्शन से पहले गिरफ्तार किए गए अन्य लोगों को रिहा करने की मांग भी की है। इसके अलावा, इमरान की पत्नी बुशरा बीबी की मेडिकल जांच कराने और उनके खिलाफ चल रहे मामलों की बिना किसी दखल के सुनवाई करने की मांग रखी गई है।

सरकार और PTI के बीच शुक्रवार को हुई पहली बैठक में देश के राजनीतिक हालात और मतभेद दूर करने पर चर्चा हुई। तीनों पक्षों ने बातचीत से समस्याओं का हल निकालने पर जोर दिया।

बैठक में सरकार की ओर से प्रधानमंत्री के राजनीतिक सलाहकार राणा सनाउल्लाह के नेतृत्व में 6 सदस्यीय टीम शामिल हुई।



4 अक्टूबर से इस्लामाबाद मार्च निकालने की तैयारी

PTI ने पहले 27 सितंबर को इस्लामाबाद तक लॉन्ग मार्च निकालने की घोषणा की थी। बाद में इसे एक हफ्ते टालकर 4 अक्टूबर कर दिया गया।

जुल्फिकार बुखारी के मुताबिक, मार्च खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मरवत में गांधी चौक से शुरू होगा। इसका पहला पड़ाव करक और दूसरा 5 अक्टूबर को कोहाट में होगा। इसके बाद मार्च पेशावर जिले में दाखिल होगा।

मार्च को देखते हुए सरकार ने इस्लामाबाद में सुरक्षा बढ़ा दी है। राजधानी में जाने वाले रास्तों पर शिपिंग कंटेनर लगाए गए हैं और अतिरिक्त पुलिस-कर्मियों को तैनात किया जा रहा है।

सभी सुरक्षित, 8 महीने में यहां 11 भारतीय नाविकों की जान गई

होर्मुज में जहाज पर मिसाइल हमला, 5 भारतीय सवार थे

मस्कट, एजेंसी

होर्मुज स्ट्रेट में शुक्रवार को एक जहाज पर मिसाइल हमला हुआ। इसमें सवार 5 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। ओमान में भारतीय दूतावास ने शनिवार को इसकी जानकारी दी।

ये नाविक कुवैत के झंडे वाले टैंकर एमटी काजिमाह III पर सवार थे। यह कच्चे तेल से भरा था और अफ्रीका की ओर जा रहा था। हालांकि, यह हमला किसने किया, यह अभी जानकारी तक सामने नहीं आई। फरवरी से अब तक होर्मुज में हमलो में 100 से ज्यादा भारतीय नाविक प्रभावित हो चुके हैं। वहीं, इन हमलों में 11 भारतीय नाविकों की जान गई। जायसवाल के मुताबिक, इस समय फारस की खाड़ी में भारत के झंडे वाले 6 कमर्शियल जहाज हैं। इसके अलावा 6 विदेशी झंडे वाले जहाज भी हैं, जो भारत के लिए सामान लेकर जा रहे हैं। इन 12 जहाजों पर करीब 163 भारतीय नाविक सवार हैं।



जायसवाल के मुताबिक, भारत का शिपिंग मंत्रालय इन जहाजों की आवाजाही पर नजर रख रहा है। भारतीय दूतावासों और स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर नाविकों की सुरक्षा और उनकी स्थिति की जानकारी ली जा रही है।

उन्होंने बताया कि जरूरत पड़ने पर भारतीय दूतावास नाविकों की सुरक्षा और भलाई के लिए जरूरी कदम उठाते हैं। उन्होंने कहा कि विदेशों में काम कर रहे भारतीय नाविकों की सुरक्षा और उनकी भलाई भारत की प्राथमिकता है।



■ विदेश मंत्री एस जयशंकर संयुक्त राष्ट्र महासभा में बोलते हुए।

> विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इससे पहले मंगलवार को बताया था कि इस क्षेत्र में चल रहे व्यावसायिक जहाजों पर 4500 से ज्यादा भारतीय नाविक सवार हैं।

ट्रम्प ने ईरान का जंग खत्म करने का प्रस्ताव ठुकराया

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान का युद्ध खत्म करने और होर्मुज खोलने का प्रस्ताव ठुकरा दिया। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, क्योंकि वह बुरी तरह हार रहा है और उसके पास पैसा नहीं आ रहा। उन्होंने कहा कि ईरान की कमाई होर्मुज से होने वाले कारोबार पर निर्भर है। अमेरिका ने इस समुद्री रास्ते पर सैन्य इतिहास की सबसे बड़ी नाकेबंदी की है, जो लोहे की दीवार जैसी है।

इलॉन मस्क का भारतीय मूल की गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप

शिवॉन बोलीं- एक हफ्ते में ही आई लव यू कहा था

नई दिल्ली, एजेंसी

टेस्ला कंपनी के मालिक इलॉन मस्क का उनकी भारतीय मूल की गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप हो गया है। न्यूरालिंक की एग्जीक्यूटिव शिवॉन जिलिस ने मस्क के साथ ब्रेकअप होने की पुष्टि की है। दोनों के साथ में 4 बच्चें हैं।

उन्होंने शुक्रवार को X पर पोस्ट कर बताया कि मस्क ने एक हफ्ते में ही आई लव यू कहा था लेकिन उन्होंने अचानक ब्रेकअप कर लिया। उन्होंने बताया कि उन्हें इसकी पहले से कोई वॉर्निंग नहीं मिली थी।

जिलिस ने कहा- मैं इस ब्रेकअप से दुखी हूं, लेकिन मस्क की अब भी बहुत परवाह करती हूं। मैं चाहूंगी कि वे हमेशा खुश रहें। मुझे उम्मीद है कि हम दोनों आगे भी अच्छे दोस्त रहेंगे और अपने बच्चों की साथ में परवरिश करेंगे। जिलिस ने मस्क के साथ हुई चैट का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया। इसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का भी जिक्र है। मस्क ने लिखा- मुझे पता नहीं था कि शी जिनपिंग से जुड़े इस डिनर में पार्टनर्स को भी बुलाया गया है। मुझे पता होता तो मैं तुम्हें जरूर बुलाता। जिलिस ने मस्क के साथ हुई चैट का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया। इसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का भी जिक्र है। मस्क ने लिखा- मुझे पता नहीं था कि शी जिनपिंग से जुड़े इस डिनर में पार्टनर्स को भी बुलाया गया है। मुझे पता होता तो मैं तुम्हें जरूर बुलाता।



दावा : अलकायदा से प्रभावित था, कट्टरपंथी सोच के चलते ओमान एयर से निकाला गया

भारतीय पायलट पर हमले के आरोपी का नाम हमाम अल-हमामी

दुबई, एजेंसी

इजराइल जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट में भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर पर हमला करने वाले को-पायलट की पहचान हमाम अल-हमामी के रूप में हुई है। वह ओमान का रहने वाला है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जांच में उसके अलकायदा की विचारधारा से प्रभावित होने के सबूत मिले हैं। पूछताछ में अल-हमामी ने बताया कि वह विमान को इजराइल में क्रैश कराना चाहता था।

हमले से पहले भी उसके रवैये पर सवाल उठे थे। 2024 में उसे कट्टरपंथी सोच के कारण ओमान की नेशनल एयरलाइन की पायलट ट्रेनिंग से हटा दिया गया था। बाद में उसे एयरलाइन में दूसरी जिम्मेदारी दी गई। करीब 8 महीने पहले वह फ्लाईदुबई से जुड़ा था।

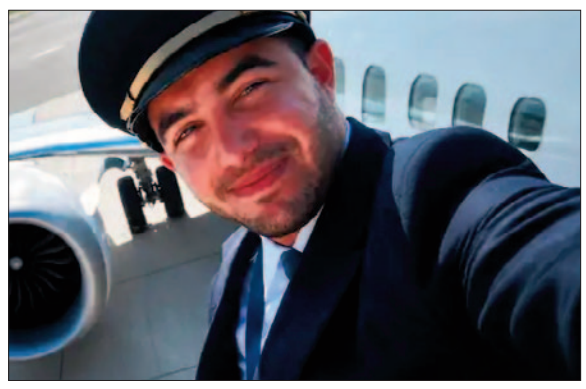


अल अरबिया इंग्लिश के मुताबिक, अल-हमामी ने ओमान से बाहर काफी समय बिताया था और सीरिया में भी लंबे समय तक रहा। इसी दौरान वह कट्टरपंथी विचारों से प्रभावित हुआ। जांच में उसके कुछ धार्मिक लोगों से मुलाकात की जानकारी भी सामने आई है। एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि वह किस तरह कट्टरपंथी विचारों से प्रभावित हुआ।

ओमान एयर ने 2024 में उड़ान से हटाया था

फॉक्स न्यूज के मुताबिक, ओमान एयर ने 2024 में अल- हमामी को उड़ान से हटा दिया था। उसके कट्टरपंथी इस्लामिक वेबसाइट्स देखने की जानकारी सामने आने के बाद यह कदम उठाया गया था।

सीएनएन के मुताबिक, उसे कथित कट्टरपंथी विचारों के कारण पायलट ट्रेनिंग से हटाया गया था। हालांकि, बाद में उसे एयरलाइन में दूसरी भूमिका दी गई। वह पहले रॉयल एयर मैरोक के साथ भी काम कर चुका था।



■ हमाम अल हमामी ने ही भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर पर हमला किया था। उसने स्वीकार किया कि वह प्लेन क्रैश कराना चाहता था।

विमान को इजराइल में क्रैश करने की योजना थी

रिपोर्ट के मुताबिक, अल-हमामी के पास से 'फ्री फिलिस्तीन' के पोस्टर और दूसरी फिलिस्तीनी समर्थन वाली चीजें मिली थी।

पूछताछ में विमान को इजराइल में क्रैश करने की बात कही। जांच एजेंसियां यह पता लगा रही हैं कि क्या कैप्टन पर हमला विमान पर कब्जा कर उसे जानबूझकर गिराने की कोशिश का हिस्सा था।

नायरा का पेट्रोल 5 और डीजल 3 महंगा कच्चा तेल महंगा होना वजह

भोपाल में एक लीटर पेट्रोल 120 और डीजल 103 का हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

नायरा एनर्जी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दी हैं। कंपनी ने पेट्रोल के दाम में 5 प्रति लीटर और डीजल में 3 प्रति लीटर का इजाफा किया है। नई कीमतें शनिवार सुबह से ही लागू हो गई हैं।

इस बढ़ोतरी के बाद भोपाल में एक लीटर पेट्रोल 119.54 और डीजल 102.64 का हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दामों में आई तेजी के बाद रिटेल कीमतों और बढ़ती लागत के बीच के अंतर को कम करने के लिए यह फैसला लिया गया है।

इस साल की शुरुआत में जब ईरान संघर्ष के कारण ग्लोबल एनर्जी सप्लाई प्रभावित हुई थी, तब कंपनी ने 26 मार्च को भी पेट्रोल 5 और डीजल 3 प्रति लीटर महंगा कर दिया था। हालांकि, बाद में जब पश्चिम एशिया में तनाव कम हुआ और अंतरराष्ट्रीय क्रूड के दाम घटे, तो कंपनी ने 1 जुलाई को पेट्रोल 5 और डीजल 3 प्रति लीटर सस्ता कर दिया था। अभी सरकारी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (IOC), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (BPCL) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (HPCL) ने कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। वहीं जियो ने भी अभी कोई बदलाव नहीं किया है।



रेटिंग एजेंसी इकरा (ICRA) की रिपोर्ट के अनुसार सितंबर महीने में कच्चे तेल के दाम बढ़ने के बावजूद भारत में रिटेल कीमतें स्थिर रहने से सरकारी तेल कंपनियों को घाटा हो रहा है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676